राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI NO.-UPHIN/2021/80397

न्यूज़ वाणी

www.newswani.in

लखनऊ एवं फतेहपुर से प्रकाशित

वर्ष 05 अंक- 34 | लखनऊ, मंगलवार, 04 फरवरी 2025 | पेज : 04 | मूल्य : 1.00 -रूपया

मोदी की गारंटी मतलब पत्थर पर खींची लकीर : अमित शाह

* केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 में भाजपा ने वादा किया था कि हम इस देश से आतंकवाद को समाप्त कर देंगे।
* 10 साल के अंदर इस देश से आतंकवाद को समाप्त करने का काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है।

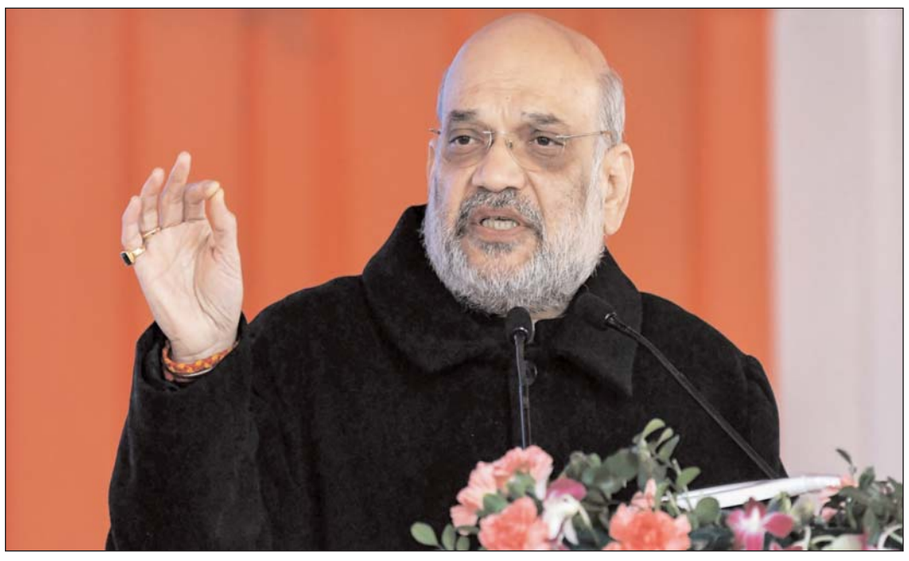

नई दिल्ली । चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जंगपुरा में चुनावी रैली को संबोधित किया। शाह ने हुंकार भरते हुए कहा कि 8 फरवरी को दिल्लीवाले आप-दा सरकार को झाड़ू लगाकर बाहर फेंकने वाले हैं। आप और अरविंद केजरीवाल पर हमला करते हुए अमित शाह ने सवाल किया कि 10 वर्षों तक, अनेक वादे कर केजरीवाल और उनके चट्टे-बट्टों ने दिल्ली को क्या दिया? भ्रष्टाचार दिया, कूड़ा कचरा दिया, जहरीला पानी दिया, तुष्टिकरण दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप और केजरीवाल ने दिल्ली को धोखा दिया है। अमित शाह ने जंगपुरा से आप प्रत्याशी और आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया पर निशाना साधते हुए कहा कि देशभर में एक ही शिक्षा मंत्री है, जो शराब घोटाला मामले में जेल गया है। शिक्षा मंत्री का काम होता है, बच्चों को शिक्षा देना, स्कूल बनाना, शिक्षकों का कल्याण करना, नए कॉलेज बनाना। ये सब तो कुछ उन्होंने (मनीष सिसोदिया) किया नहीं, बल्कि दिल्ली में गली-गली में शराब की दुकानें खोली हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा एक अकेली ऐसी पार्टी है, जो कहती है वो करती है। मोदी की गारंटी मतलब पत्थर पर खींची लकीर। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 में भाजपा ने वादा किया था कि हम इस देश से आतंकवाद को समाप्त कर देंगे। 10 साल के अंदर इस देश से आतंकवाद को समाप्त करने का काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है। 31 मार्च, 2026 तक हम इस देश से नक्सलवाद को भी समाप्त कर देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि हम जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाएंगे। केजरीवाल जी, राहुल बाबा, अखिलेश, ममता जी... इन सभी ने विरोध किया और कहा कि अनुच्छेद 370 हटाओगे तो कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी। शाह ने कहा कि मोदी जी ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया। खून की नदियां छोड़ो किसी की पत्थर चलाने की भी हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने (आम आदमी पार्टी) वादा किया था कि हम यमुना जी के पानी को साफ करेंगे। केजरीवाल जी, आपने तो यमुना जी को स्वच्छ नहीं किया, लेकिन आज मैं कह रहा हूं कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बना दीजिए, तीन साल में हम यमुना रिवर फ्रंट बनाने का काम करेंगे।

शत्रुघ्न सिन्हा ने मोदी को 'प्रचार मंत्री' करार दिया, 'आप' के लिए वोट मांगे

टीएमसी के सांसद ने मोदी के पिछले चुनावी वादों जैसे दो करोड़ नौकरियां, किसानों की आय दोगुनी करना, प्रत्येक व्यक्ति के बैंक खाते में 15 लाख रुपये का हवाला दिया और आरोप लगाया कि ये वादे पूरे नहीं हुए।

नई दिल्ली । तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर रविवार को कटाक्ष करते हुए उन्हें 'प्रचार मंत्री' करार दिया, जो रोजाना 10 से 12 घंटे प्रचार करते हैं। अभिनेता से नेता बने सिन्हा आम आदमी पार्टी (आप) की उम्मीदवार आतिशी के समर्थन में एक चुनावी रैली में शामिल हुए थे। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और 'आप'विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया')के घटक दल हैं। सिन्हा ने मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''हमारे माननीय प्रचार मंत्री... प्रचार मंत्री का मतलब प्रधानमंत्री है।' उन्होंने कहा, ''वह मेरे मित्र हैं और मेरे प्रधानमंत्री भी हैं। ऐसा कहा जाता है कि वह 18 घंटे काम करते हैं, लेकिन मैं उन्हें 10 से 12 घंटे प्रचार में व्यस्त पाता हूं। पार्षद हो, विधायक हो या संसदीय चुनाव, जहां भी देखो, हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी वहां जरूर जाते हैं।'' टीएमसी के सांसद ने मोदी के पिछले चुनावी वादों जैसे दो करोड़ नौकरियां, किसानों की आय दोगुनी करना, प्रत्येक व्यक्ति के बैंक खाते में 15 लाख रुपये का हवाला दिया

संक्षिप्त खबरे

'आप' के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार का मॉडल विफल हो गया है : चंद्रबाबू नायडू

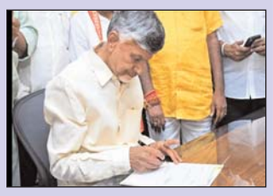

नई दिल्ली । 'दिल्ली में गरीब लोगों को सोचना होगा कि क्या वे झुग्गियों में स्थायी रूप से रहना चाहते हैं।'' नायडू की पार्टी तेदेपा केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी है। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) नीत सरकार का मॉडल ''विफल'' हो गया है और लोगों को ऐसी पार्टी को वोट देना चाहिए जो समावेशी विकास कर सके। नायडू ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोग ''मौसम और राजनीतिक प्रदूषण'' के कारण दिल्ली में रहने को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कोई विकास नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, ''नेताओं को हमेशा आज, कल और भविष्य के बारे में सोचना चाहिए। अच्छी सार्वजनिक नीति वाली सरकार समाज को बदल सकती है।'' उन्होंने 'आप' सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दिल्ली में ''हाफ इंजन वाली सरकार'' है और विकास हासिल करने के लिए ''डबल इंजन वाली सरकार'' की जरूरत है। नायडू ने कहा कि विचारधारा नहीं, बल्कि प्रदर्शन और बेहतर जीवन स्तर प्रासंगिक होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''दिल्ली में गरीब लोगों को सोचना होगा कि क्या वे झुग्गियों में स्थायी रूप से रहना चाहते हैं।'' नायडू की पार्टी तेदेपा केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी बजट 2025 का पूरा समर्थन करती है क्योंकि इसका लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करना है। नायडू ने कहा, ''हम उनसे सहमत हैं। हम खुश हैं। यह हमारे विकास के 10 सिद्धांतों के साथ मेल खाता है।'' दिल्ली में पांच फरवरी को मतदान होगा और नतीजे आठ फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

भाजपा मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में बेईमानी पर उतारू है : अखिलेश यादव

* सपा प्रमुख ने अयोध्या में दलित युवती की नृशंस हत्या का मामला उठाते हुए कहा, ''दलित बेटी के साथ हुई अमानवीय घटना को लेकर अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद समेत पूरी पार्टी आहत है।

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में बेईमानी पर उतारू है। सपा मुख्यालय से जारी एक बयान में अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार मिल्कीपुर में हर तरह की साजिश कर रही है तथा प्रशासन द्वारा कोटेदारों और प्रधानों पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया, ''मिल्कीपुर में जनता समाजवादी पार्टी के साथ है। जनता समाजवादी पार्टी को जिताने को तैयार है, लेकिन सरकार के दबाव में प्रशासन समाजवादी पार्टी को हराना चाहता है।'' यादव ने आरोप लगाया, ''भाजपा सबसे बड़ी बेईमान और झूठी पार्टी है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान दोनो का तिरस्कार कर रही है। भाजपा समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर झूठे और फर्जी मुकदमे लगवाकर उन्हें परेशान कर रही है।

चुनाव में गड़बड़ी करने की हर साजिश से निपटने के लिए तैयार : अरविंद केजरीवाल

नयी दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के मुताबिक उसने चुनाव में गड़बड़ी की हर साजिश से निपटने के लिए कमर कस ली है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता से अपील की कि भाजपा के ईवीएम के खेल को हराने के लिए आम आदमी पार्टी को जमकर वोट करें। उन्होंने कहा कि ये लोग मशीनों में 10 फीसदी वोट की गड़बड़ी कर सकते हैं, इसलिए झाड़ू को इतना वोट दें कि आम आदमी पार्टी को 10 फीसदी से ज्यादा की लीड मिल जाए। हमने ईवीएम से छेड़छाड़ रोकने के लिए एक वेबसाइट भी बनाई है। जहां पोलिंग बूथ, पीठासीन अधिकारी, कंट्रोल यूनिट आईडी, कुल पड़े वोट, मशीन की बैटरी की स्थिति और एजेंट का नाम डालेंगे, ताकि बाद में मिलान कर सकें।

विवादों से बचने के लिए विचारों का स्वतंत्र प्रवाह महत्वपूर्ण : एनएसए डोभाल

'इस्लाम ऑथॉरिटेरियनिज्म अंडरडेवलपमेंट - ए ग्लोबल एंड हिस्टोरिकल कंपैरिजन' के हिंदी संस्करण के विमोचन के दौरान राज्य और धर्म के बीच विवादों से जुड़े व्यापक मुद्दों के संदर्भ में आई है। यह पुस्तक खुसरो फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित की गई है।

नई दिल्ली । राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने रविवार को कहा कि धार्मिक पहचान से जुड़े विवादों से बचने के लिए विचारों का स्वतंत्र प्रवाह महत्वपूर्ण है। संघर्ष समाधान पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों और समाजों द्वारा ''आत्मनिरीक्षण'' हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। डोभाल की यह टिप्पणी तुर्की-अमेरिकी विद्वान अहमत टी कुरु की पुस्तक 'इस्लाम ऑथॉरिटेरियनिज्म- अंडरडेवलपमेंट - ए ग्लोबल एंड हिस्टोरिकल कंपैरिजन' के हिंदी संस्करण के विमोचन के दौरान राज्य और धर्म के बीच विवादों से जुड़े व्यापक मुद्दों के संदर्भ में आई है। यह पुस्तक खुसरो फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित की गई है। डोभाल ने नयी दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में एक खचाखच भरे सम्मेलन में कहा कि राज्य और धर्म के बीच संबंधों की घटना केवल इस्लाम तक ही सीमित नहीं है क्योंकि अब्बासिद राजवंश के शासन में राज्य और धर्मगुरु की भूमिका पर स्पष्टता थी। वह पुस्तक के विषय के व्यापक संदर्भ पर विचार-विमर्श कर रहे थे।

भारत लाखों अवैध प्रवासियों को नहीं रख सकती : उपराष्ट्रपति

'इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' (आईसीएआई) द्वारा आयोजित सम्मेलन में उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को आत्मसात करने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसा दृष्टिकोण अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी होगा।

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि देश में लाखों की संख्या में अवैध प्रवासी नहीं रह सकते और चुनावी राजनीति को जनसांख्यिकीय अव्यवस्थाओं से प्रभावित होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसी के साथ उन्होंने युवाओं से राष्ट्र विरोधी बयानों को समाप्त करने की अपील की। राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने संसद में बार-बार होने वाले व्यवधान पर भी चिंता जाहिर की। राष्ट्रीय राजधानी में 'वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स' (डब्ल्यूओएफए) सम्मेलन के दौरान धनखड़ ने कहा कि युवाओं को अस्तित्व संबंधी चुनौतियों के बारे में चिंतित होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारे देश में लाखों अवैध प्रवासी नहीं रह सकते... हम अपनी चुनावी राजनीति को जनसांख्यिकीय अव्यवस्थाओं से प्रभावित नहीं होने दे सकते। ये चीजें आपके लिए मायने रखती हैं क्योंकि ये ऐसी चुनौतियां हैं जिनका आपको सामूहिक रूप से जवाब देना होगा।'' धनखड़ ने विस्तार से बताए बिना कहा, ''मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है...कहा जाता है कि समझदार को इशारा काफी होता है।'' उपराष्ट्रपति ने इस बात पर चिंता जाहिर कि कुछ लोग और संस्थाएं देश की विकास यात्रा से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि देश में सनसनी फैलाने और कहानी गढ़ने का चलन जारी है।

महाकुंभ भगदड़ पर विपक्ष का हंगामा, सरकार से की ये बड़ी मांग

* नारेबाजी के बीच कार्यवाही जारी है। कुंभ पर जवाब दो के नारे गूंजते हुए अधिकारियों से 29 जनवरी को मरने वाले लोगों की सूची जारी करने का आग्रह किया गया।
* विपक्ष का दावा है कि वास्तविक मौत का आंकड़ा सरकार द्वारा बताई गई संख्या से काफी अधिक है।

नई दिल्ली । लोकसभा में सोमवार सुबह जैसे ही बजट सत्र फिर से शुरू हुआ, विपक्ष ने पिछले हफ्ते प्रयागराज में महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दौरान हुई भगदड़ में 30 लोगों की मौत को लेकर नारेबाजी की। स्पीकर ने विपक्षी नेताओं के व्यवहार की निंदा की है। प्रश्नकाल की समाप्ति के बाद महाकुंभ भगदड़ का मुद्दा उठाने के अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देश के बावजूद विपक्ष ने नारेबाजी जारी रखी। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने भी सांसदों से व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। हालांकि, नारेबाजी के बीच कार्यवाही जारी है। कुंभ पर जवाब दो के नारे गूंजते हुए अधिकारियों से 29 जनवरी को मरने वाले लोगों की सूची जारी करने का आग्रह किया गया। विपक्ष का दावा है कि वास्तविक मौत का आंकड़ा सरकार द्वारा बताई गई संख्या से काफी अधिक है। वहीं, प्रयागराज में जारी महाकुंभ में कथित 'कुप्रबंधन' के मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग को लेकर विपक्षी दलों ने सोमवार को राज्यसभा में भारी हंगामा किया और बाद में सदन से बहिर्गमन किया। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने के बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन को बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत चर्चा के लिए कुल नौ नोटिस मिले हैं। कांग्रेस के प्रमोद तिवारी और दिग्विजय सिंह, तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष, समाजवादी पार्टी के जावेद अली खान और रामजी लाल सुमन और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के जॉन ब्रिटास ने प्रयागराज महाकुंभ में कथित कुप्रबंधन के मुद्दे पर नोटिस दिए थे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में नारेबाजी करने वाले विपक्षी दलों के सदस्यों से कहा कि जनता ने उन्हें 'मेज तोड़ने' के लिए नहीं, बल्कि प्रश्न पूछने के लिए सदन में भेजा है। लोकसभा अध्यक्ष ने प्रश्नकाल के बीच नारेबाजी कर रहे सदस्यों से कहा, ''इस विषय का उल्लेख राष्ट्रपति महोदया ने अपने अभिभाषण में किया था। आप लोग अभिभाषण पर चर्चा के दौरान यह विषय रख सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है जिसमें सरकार की जवाबदेही तय की जा सकती है। समाजवादी पार्टी के कुछ सदस्य जब आसन के निकट पहुंचकर जोरदार नारेबाजी करने लगे तो बिरला ने कहा, ''आपको जनता ने मेज तोड़ने के लिए नहीं भेजा है। प्रश्न पूछने के लिए भेजा है।'' उन्होंने कहा, ''अगर इसीलिए (मेज तोड़ने के लिए) भेजा है तो जोर-जोर से मारिये।'' बिरला ने विपक्षी सदस्यों से सदन चलने देने की अपील की।

सम्पादकीय

अंततः आयकर कटौती

लंबे अर्से से बढ़ती कीमतों, स्थिर वेतन और करों के बोझ से मध्यम वर्ग वित्तीय दबाव में था। केंद्रीय बजट 2025 में मोदी सरकार ने आयकर छूट सीमा बढ़ाकर व कर दरों में कमी से राहत देने की कोशिश की है। किंतु-परंतु न हो तो अब बारह लाख तक की आय वाले व्यक्ति को कोई कर नहीं देना होगा। धारणा है कि इससे लोगों की आय बढ़ने से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होगी। खपत में वृद्धि से मांग बढ़ेगी जो कालांतर उद्योगों-अर्थव्यवस्था को गति देगी। निस्संदेह आयकर व्यवस्था का सरलीकरण स्वागत योग्य कदम है। वरिष्ठ नागरिकों की ब्याज आय पर कटौती की सीमा को दुगनी करके एक लाख रुपये सालाना करने से उन्हें लाभ मिलेगा। इसी तरह किराये की आय पर निर्भर सेवानिवृत्त लोगों को बढ़ी हुई टीडीएस सीमा का लाभ होगा, जिसे अब बढ़ाकर छह लाख सालाना कर दिया गया है। लेकिन दूसरी ओर ईपीएफ/पीपीएफ, बीमा और होम लोन पर प्रमुख कटौतियों का लाभ हटाने से आम आदमी की वास्तविक बचत खत्म हो सकती है। जिससे दीर्घकालीन बचत में गिरावट संभावित है। नई व्यवस्था पीएफ और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में निवेश को हतोत्साहित करती है। यह स्थिति उनकी भविष्य की वित्तीय सुरक्षा को कमजोर कर सकती है। कर राहत के साथ जरूरी है कि मध्यम वर्ग की आय में वृद्धि हो और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण किया जाए। निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त लोगों की सामाजिक सुरक्षा के बारे में भी सोचना जरूरी है। लेकिन आयकर राहत से मध्यम वर्ग की बचत-खपत बढ़ने से क्या वास्तव में आर्थिकी को गति मिल सकेगी? एक अनुमान के अनुसार भारत में आबादी का चालीस फीसदी मध्यम वर्ग के दायरे में आता है। दरअसल, भारतीय अर्थव्यवस्था मांग की कमी से जूझ रही है। मध्य वर्ग ही वस्तुओं और सेवाओं का बड़ा उपभोक्ता वर्ग है। उसकी क्रय शक्ति कम होने व बचत नहीं होने से उसकी खरीद क्षमता बाधित हुई है। मांग कम होने से उत्पादन में गिरावट आई है और नया निवेश प्रभावित हो रहा है। यही वजह है कि बीते वर्ष में विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम 6.4 रही है जिसके आर्थिक सर्वे में इस साल 6.8 तक रहने का अनुमान है। जो विकसित भारत के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है। सरकार का मानना है कि आयकर में कटौती से बचत और खपत को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल, मध्यम वर्ग उपभोक्ता, कर्मचारी और सहायक सेवा करने वाले लोगों का नियोक्ता होता है। सरकार मानती है कि इससे अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। वहीं कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि देश में अप्रत्यक्ष करों में कमी से मांग को ज्यादा बढ़ावा मिल सकता है। अप्रत्यक्ष कर मध्यमवर्ग के बजाय गरीब लोगों को भी देना पड़ता है। दरअसल, हमारी एक सौ चालीस करोड़ की आबादी में नौ करोड़ लोग आयकर रिटर्न भरते हैं और साढ़े तीन करोड़ लोग आयकर देते हैं। इनको राहत देने से सीमित वर्ग की क्रय शक्ति ही बढ़ेगी। कुछ लोग इसे दिल्ली के विधानसभा चुनाव की दृष्टि से उठाया गया कदम बताते हैं क्योंकि वहीं बड़ी संख्या में आयकर दाता सरकारी कर्मचारी रहते हैं।

सत्ता में बने रहने का चुनावी बजट

दिल्ली में चुनाव प्रचार के आखिरी सप्ताह में बाजी पलटने के संकेतबजट 2025-26 के दो काम्-मांग को बढ़ावा देना और अधिक नौकरियां पैदा करना एनडीए सरकार ने 1 फरवरी को अपना पूर्णकालिक बजट पेश किया। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल के इस पहले पूर्ण बजट में सत्ता पर किसी भी तरह बने रहने की भाजपा की लालसा साफ तौर पर नजर आई। लोकसभा चुनावों में भाजपा नुकसान उठा चुकी है, तो अब इसकी भरपाई के लिए उसने मध्यवर्ग को लुभाने की कोशिश की है। इसके साथ ही इस बजट में दिल्ली और बिहार में होने वाले विधानसभा चुनावों का असर भी साफ दिखा। दिल्ली में तो इस समय चुनाव प्रचार जोरों पर है और ढाई दशक से सत्ता से बाहर भाजपा का दावा है कि इस बार दिल्ली की जनता उसे मौका देगी। अपने दावे को सच करने के लिए भाजपा इस बार केन्द्रीय कर्मचारियों और वेतनभोगी मध्यवर्ग को अपने पाले में करने की कोशिश में है। अभी हाल ही में आठवें वेतन आयोग का गठन इसी दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है। अब 2025-26 के बजट में केंद्र सरकार ने बड़ा ऐलान किया है कि 12 लाख रुपये तक की सालाना आय कर मुक्त रहेगी यानी कोई आयकर नहीं देना होगा और वेतनभोगी लोगों के लिए ये सीमा 12 लाख 75 हज़ार रुपए हैं। सरकार ने करमुक्त आय की सीमा को सीधे 5 लाख रुपए बढ़ाया दिया है। जो बहुत से लोगों की नजर में मोदी का मास्टर स्ट्रोक है। क्योंकि इससे देश का मध्यवर्ग खुश हो सकता है। मध्यवर्ग के दायरे में वो लोग शामिल होते हैं, जिनकी सालाना आय 5 से 30 लाख रुपये है। पीपुल्स रिसर्च ऑन इंडियाज़ कंज़्यूमर इकानॉमी के मुताबिक़ फ़िलहाल देश की आबादी का 40 प्रतिशत मध्यवर्ग के दायरे में आता है। इस लिहाज से देखें तो लगेगा कि देश के 40 प्रतिशत लोग इस फैसले से राहत पाएंगे। लेकिन यह गणित इतना सीधा नहीं है। भारत की लगभग एक अरब चालीस करोड़ की आबादी में सिर्फ़ साढ़े नौ करोड़ लोग आयकर भरते हैं और उनमें से भी छह करोड़ लोग शून्य रिटर्न दाख़िल करते हैं, इसका मतलब केवल साढ़े तीन करोड़ लोगों को इस कर में छूट का लाभ मिलेगा। सरकार का दावा है कि यह कदम खपत और निवेश को बढ़ावा देने के लिए है। भारतीय अर्थव्यवस्था इस वक़्त मांग की कमी से जूझ रही है। भारत की आर्थिक विकास दर अभी 6.4 प्रतिशत है जो पिछले चार साल में सबसे सुस्त गति दिखा रही है। आर्थिक सर्वे में 6.3 से लेकर 6.8 प्रतिशत विकास का अनुमान लगाया जा रहा है, जबकि देश को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत तक चाहिए। सरकार इस लक्ष्य को शायद आयकर में छूट देकर हासिल करना चाहती है। वस्तुओं और सेवाओं का सबसे बड़ा उपभोक्ता समूह मध्यवर्ग होता है, लगातार बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी के कारण उस के हाथ में पैसा नहीं बच रहा है इसलिए ख़रीद क्षमता प्रभावित हुई और अर्थव्यवस्था में मांग घट गई है। कंपनियों ने भी कम खपत के कारण उत्पादन कम किया है और नए निवेश में भी कमी आई है। अब इस छूट से सरकार उम्मीद बांध रही है कि मांग, खपत, निवेश और बचत सारे लक्ष्य एक साथ साध लेगी। हालांकि सरकार का ही कहना है कि मध्यवर्ग को दी जा रही इस राहत से सरकारी खजाने पर करीब एक लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। प्रकारांतर से यह छूट भी उसी रेवड़ी संस्कृति का हिस्सा दिख रहा है, जिसकी मुखालफत श्री मोदी खुद करते हैं।बहरहाल मध्यवर्ग को दी गई इस राहत से फौरी विकास तो शायद नजर आ जाए, लेकिन इसका दीर्घकालिक असर क्या पड़ेगा, ये विचारणीय है। राजकोषीय घाटे में एक लाख करोड़ का बोझ सरकार किस तरह उठाएगी या अप्रत्यक्ष तरीके से जनता से कैसे वसूली करेगी ये देखना होगा।अभी अप्रत्यक्ष करों के जरिए भी सरकार को अच्छी-खासी कमाई होती है और उसमें केवल मध्यवर्ग नहीं गरीब से गरीब व्यक्ति को भी जेब हल्की करनी पड़ती है। ज़्यादातर वस्तुओं और सेवाओं पर ली जाने वाली जीएसटी की दरें 28 प्रतिशत तक हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक़ जीएसटी संग्रह लगातार बढ़ रहा है, साल 2023 की तुलना में साल 2024 में इसमें 7.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और ये दिसंबर 2024 में 1.77 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यानी सरकार अप्रत्यक्ष कर के ज़रिये लोगों की जेब से ज़्यादा पैसा निकाल रही है। बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए खास प्रावधान नहीं है। कृषि, मनरेगा, रोजगार कौशल, आंगनबाड़ी और पोषण कार्यक्रमों आदि के लिए बेहद मामूली बढ़त की गई है, जो ऊंट के मुंह में जीरा साबित होगी। लगभग 50 लाख करोड़ के आम बजट में अगर सभी तबकों के लिए यथोचित प्रावधान होते। , तब तो इसे वाकई विकसित भारत का बजट कहा जा सकता था। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का बजट बताया और कहा कि ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है। सवाल ये है कि क्या पांच किलो राशन के लिए कतार में खड़े 80 करोड़ लोगों के पास सपने देखने की गुंजाइश बची है। इस बजट में बिहार के लिए मखाना बोर्ड का गठन, पटना आईआईटी का विस्तार, ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान की स्थापना, पश्चिमी कोसी नहर परियोजना जैसी अहम घोषणाएं की गई हैं। केन्द्रीय गृहमंत्री ने इसे बिहारवासियों के लिए उपहार बताया है, वहीं भाजपा, जदयू, लोजपा और हम जैसे दलों के नेताओं ने भी इन घोषणाओं का स्वागत किया है। निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करने के लिए जो साड़ी पहनी, उसकी बार्डर पर मिथिला की चित्रकारी की गई है, यह साड़ी मिथिला की कलाकार दुलारी देवी द्वारा भेंट की गई है। यानी बिहार को साधने की कोशिश मोदी सरकार ने की और इसके कारण एकदम स्पष्ट हैं। इसी साल बिहार में चुनाव होने हैं, जिसमें नीतीश कुमार को साथ रखने की चुनौती भाजपा के सामने है। साथ ही सत्ता पर भी उसे काबिज होना है इसलिए उसने एक साथ दो निशाने साधे हैं। अब चुनावी नतीजे बताएंगे कि निशाने कामयाब हुए या नहीं। लेकिन बजट जैसे महत्वपूर्ण विषय और अवसर को चुनावी राजनीति का मुद्दा बनाकर भाजपा ने बता दिया कि उसके लिए सत्ता से बढ़कर कुछ नहीं है। जहां तक बात विकसित भारत की है, तो 2014 के अच्छे दिनों से चलकर 2025 में विकसित भारत तक जुमले पहुंचे हैं।

दिल्ली के नतीजे बताएंगे कि कांग्रेस अकेली चलेगी या फिर अनिर्णय में फंसी रहेगी

शकील अख्तर

खुद कांग्रेस के नेता राहुल को नहीं पहचान पाए। उनके लिए राहुल भी एक चेहरा तो हैं मगर यह नहीं समझ पाए कि एक ऐसा शख्स उनके पास है जो कभी भी बाजी पलट सकता है। उनको सत्ता में ला सकता है। मुकाबला बहुत मुश्किल है। मोदी ने देश में एक ऐसा माहौल बना दिया है कि जनता पर किसी बात का असर नहीं हो रहा है। अभी कुंभ में भगदड़ में मारे गए लोगों की खबर छुपाई गई।

राहुल ने दिल्ली चुनाव में समां बांध दिया। कांग्रेस जो दिल्ली में बिल्कुल खतम हो गई थी उसमें वापस जान फूंक दी। अगर इस चुनाव में राहुल इतने तेवर के साथ सामने नहीं आते तो कांग्रेस की स्थिति दिल्ली में भी बिहार-यूपी की तरह हो जाती। मगर सही टाइम पर राहुल ने दिल्ली का फैसला लिया और मोदी की तरह केजरीवाल पर भी उतने ही कड़े प्रहार किए या यह भी कह सकते हैं कि कांग्रेस की दिल्ली में जमीन आम आदमी पार्टी ने छीनी थी इसलिए उस पर ज्यादा फोकस किया। ज्यादा तगड़े वार! शायद सबसे बड़ा हमला वह था जब उन्होंने कहा कि- विपक्षी नेताओं में केजरीवाल सबसे ज्यादा मोदी से डरते हैं। राजनीति में डरना सबसे बड़ी कमी मानी जाती है। है तो फिल्म का डायलाग मगर राजनीति में बिल्कुल सही है कि जो डर गया समझो वह मर गया। राहुल ने केजरीवाल के राजनीतिक खात्मे की घोषणा कर दी। और यह कांग्रेस के लिए सबसे जरूरी है। राहुल ने बिल्कुल सही कहा कि कांग्रेस और भाजपा में विचारधारा की लड़ाई चल रही थी बीच में केजरीवाल आ गए। खंबे पर चढ़ गए। मगर फिर धड़ाम से गिरे भी। कांग्रेस के लिए यह बहुत जरूरी है। मोदी से आमने-सामने की लड़ाई कांग्रेस के लिए मुश्किल नहीं मगर बहुत सारे आवरण चढ़ाए केजरीवाल से लड़ना इसके लिए शुरू से अनिश्चितता का मामला रहा। 2013 में उसके समर्थन से ही केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने। और फिर 2015 और 2020 में केजरीवाल ने कांग्रेस को शून्य पर ला दिया। वोट परसेन्टेज 4. 3 पर। केवल 11 साल में यह हाल हो गया। जबकि यूपी बिहार में कांग्रेस का बुरा हाल हुआ मगर शून्य पर वह कभी नहीं पहुंची। यूपी में पिछले विधानसभा चुनाव 2022 में वह सबसे कम केवल दो सीटों पर रह गई और बिहार में 2010 के विधानसभा चुनाव में वह सबसे कम केवल 4 सीटों पर रह गई थी। तीनों जगह दिल्ली, बिहार, यूपी इस बात में समानता है कि कांग्रेस कहीं भी एक निर्णय नहीं ले सकी। कभी साथ में कभी अकेले चुनाव लड़ती रही। यूपी में 1989 के बाद से वह सत्ता से बाहर है। और बिहार 1990 के बाद से। मतलब करीब 35- 36 साल से। दिल्ली में भी 11 साल हो गए। मगर अब दिल्ली में कांग्रेस जागी है। कितना कर पाएगी यह तो 8 फरवरी को पता चलेगा। लेकिन दिल्ली में वापस खड़ी हो गई यह अभी से दिखने लगा है। यहीं से कांग्रेस को कोई बड़ा नीतिगत फैसला लेना होगा। राष्ट्रीय स्तर पर माना जाता है कि कांग्रेस ही भाजपा से लड़ रही है। मगर यथार्थ में होता यह है कि कई बड़े राज्यों में कांग्रेस दूसरे विपक्षी दलों के मुकाबले बहुत कमजोर हो जाती है। यूपी, बिहार, दिल्ली का तो अभी बताया ही मगर जम्मू-कश्मीर, झारखंड, पंजाब, महाराष्ट्र के अलावा दक्षिण और नार्थ ईस्ट के राज्यों में भी यही हालत हो गई है। कांग्रेस तीसरे-चौथे नंबर की पार्टी बन गई है।यह तब है जब उसके पास इस समय देश का सबसे निडर, मेहनती और आम जनता से सबसे ज्यादा मिलने जुलने वाला नेता है। सच तो यह है कि कई बार यह कहा जाता है कि देश के लोग राहुल को नहीं पहचान पा रहे। सही बात है। चमक-दमक के इस झालर, पन्नी के दौर में असली मेटल को लोग नहीं पहचान पा रहे। मगर लोगों से शिकायत तो तब बनती है जब खुद उनकी पार्टी उन्हें सही से पहचान लेती! मुख्य बात तो यही है कि खुद कांग्रेस के नेता राहुल को नहीं पहचान पाए। उनके लिए राहुल भी एक चेहरा तो हैं मगर यह नहीं समझ पाए कि एक ऐसा शख्स उनके पास है जो कभी भी बाजी पलट सकता है। उनको सत्ता में ला सकता है। मुकाबला बहुत मुश्किल है। मोदी ने देश में एक ऐसा माहौल बना दिया है कि जनता पर किसी बात का असर नहीं हो रहा है। अभी कुंभ में भगदड़ में मारे गए लोगों की खबर छुपाई गई। अखिलेश यादव ने लोकसभा में बजट से पहले कुंभ में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने की मांग करते हुए कहा कि हमें बजट के आंकड़ें नहीं लापता लोगों के आंकड़े चाहिए। कितने लोग मारे गए। कितने घायल हैं और कितनों का पता नहीं है। विपक्षी दलों ने लोकसभा में जोरदार मांग उठाई, वाक आउट तक कर गए मगर सरकार निश्चिंत बनी रही। उसे लगता है विपक्ष आवाज उठाता रहे जनता नहीं सुनेगी। जनता को नफरत के ऐसे नशे में डाल दिया है कि वह कुछ भी नहीं सुनती, सोचती। बस उसे नफरती बातों से ही खुशी मिलती रहती है। कोई भी बड़ी से बड़ी घटना हो जाए जनता का नशा टूटता नहीं है। नोटबंदी, किसानों का आंदोलन, कोविड में बिना इलाज लोगों का मरना, चिता तक का इंतजाम नहीं, पुलों से लाशों का नीचे फेंकना, लॉकडाउन, लाखों मजदूरों का पैदल जाना, चीन द्वारा घुस कर हमारे आदमियों को मारना, फिर वापस न जाना, प्रधानमंत्री का इस बात को भी नकार देना, कहना न कोई घुसा है न कोई है, मगर किसी बात का असर नहीं होना। ऐसे में राहुल का बिना हिम्मत हारे लगातार लड़ते रहना ही एक मात्र आशा की किरण रही। यहीं यह सवाल पैदा होता है कि क्या कांग्रेसियों को यह नहीं दिखता? या वह अपनी आदत से मजबूर हैं कि राहुल को जो करना है करें मगर हम तो उसी तरह गुटबाजी, काम न करना, अपने स्वार्थों में लिप्त रहना में लगे रहेंगे। जी-23 सिर्फ और सिर्फ राहुल के खिलाफ ही बनाया गया था। 2019 में उन्हीं से अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिलवाया गया था। राजस्थान चुनाव पूरी तरह गुटबाजी की वजह से हारा था। और फिर हरियाणा भी ऐसे ही हाथ में आया हुआ गंवाया गया था। लोग बाकी राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्रकी हार को भी इसी क्रम में खड़ा करने लगते हैं। मगर इन राज्यों में कारण अलग थे। अगर कांग्रेस हरियाणा जो कि वह जीत रही थी जीत जाती तो क्या महाराष्ट्र के यह नतीजे आते? कांग्रेस हरियाणा जीत जाती तो देश का माहौल ही कुछ और होता। 8 महीने पहले 240 पर रोक कर जो मोदी को झटका दिया था उसका असर जारी रहता। प्रधानमंत्री मोदी ने जो फिर से आत्मविश्वास पा लिया है वह नहीं होता।पता नहीं कांग्रेस समझेगी या नहीं! अभी तक के कांग्रेसियों का इतिहास तो यह बताता है कि कांग्रेसी नेता खुद से कभी नहीं समझते। उन्हें तो डंडे के बल पर समझाना पड़ता है। राहुल ने अभी वंचित समाज के दिल्ली सम्मेलन में यह माना कि कि कांग्रेस वह नहीं रह गई जो इन्दिरा गांधी के समय थी। सही बात है। राहुल को यहीं से आगे लाइन लेना चाहिए कि इन्दिरा गांधी कैसी सख्ती से पार्टी को डील करती थीं। जो वे कह रहे थे कि पिछले कुछ सालों में पार्टी कमजोर हो गई तो उसका कारण ही यही है कि नेतृत्व ने सख्त निर्णय लेना छोड़ दिए। दिल्ली चुनाव के बाद राहुल को पूरा समय पार्टी संगठन के पुनर्निर्माण में लगाना चाहिए। जाने कितने साल हो गए कुछ लोग पदों पर बैठे हुए हैं। उनका कमरा बदल दिया जाता है। जिम्मेदारी बदल दी जाती है। मगर पद बरकरार रहता है। कुर्सियों से चिपके हैं। इनकी क्या उपयोगिता है? इनके बदले और लोगों को मौका देना चाहिए। साल 2025 कांग्रेस ने संगठन का साल घोषित किया है। अगर सही मायनों में हो गया तो पार्टी की तकदीर बदल सकती है।

क्या डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निबटेगा अमेरिका?

कमलेश पांडे

बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ने चेतावनी दी है कि अगर ब्रिक्स देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल का प्रयास करेंगे तो वह उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगा देंगे। चीन दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनना चाहता है और ऐसा वह उस अमेरिका की कीमत पर करना चाहता है जिसने उसके नवनिर्माण और समुत्थान में महती भूमिका निभाई है। हालांकि अमेरिका भी इसे भलीभांति समझ चुका है और समुपस्थित विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रूबियो के डॉलर की चिंता और उसके लिए जिम्मेदार चीन सम्बन्धी हालिया बयानों पर जब आप गौर करेंगे तो यह समझ जाएंगे कि अमेरिका की चिंता सिर्फ डॉलर की गिरती साख को ही बचाने की नहीं है बल्कि वह सोवियत संघ की भांति ही अब चीन को भी निबटाने की रणनीति पर फोकस कर चुका है। ऐसे में सुलगता सवाल यह है कि क्या अमेरिका सिर्फ डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निबटेगा या फिर कुछ अन्य मौजूं उपाय भी करेगा! उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल की कवायद जिस तरह से चीन कर-करवा रहा है और इस नजरिए से ब्रिक्स देशों यानी रूस-ब्राजील आदि को ढाल बनाए हुए है, उससे अमेरिका भड़क चुका है और सम्बन्धित देशों को खुलेआम धमकियां देनी भी शुरू कर दी है। चीन के खिलाफ ताइवान का हथकंडा और दक्षिण चीन सागर विवाद को शह देने और रूस के खिलाफ यूक्रेन को भड़काते रहने और नाटो देशों से सहयोग दिलवाने के पीछे की व्यापक रणनीति भी तो इसी बात की चुगली करती है। वहीं, ब्रिक्स देशों की सम्भावित वैकल्पिक मुद्रा से डॉलर के समक्ष उत्पन्न होने वालों खतरों के सम्भावित दुष्परिणामों के बारे में अमेरिका ने जिस तरह से आगाह करना शुरू कर दिया है, उससे भारत समेत कतिपय ब्रिक्स देश भी सकते में हैं, आशंकित हैं और अपने बचाव में तर्क भी दे चुके हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में जब ब्रिक्स के कुछ सदस्य देश विशेष रूप से चीन-रूस अमेरिकी डॉलर का विकल्प या ब्रिक्स मुद्रा की मांग कर रहे हैं, तब भारत %डी-डॉलराइजेशन% यानी %विश्व व्यापार और वित्तीय लेनदेन में डॉलर के उपयोग में कमी% के खिलाफ है। दिसम्बर 2024 में ही भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत कभी भी %डी-डॉलराइजेशन% के पक्ष में नहीं रहा है व ब्रिक्स मुद्रा बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

डॉक्टरों की बढ़ती आत्महत्याएं : चिकित्सकों को चिकित्सा की जरूरत

अमरपाल सिंह वर्मा

सरकार, मेडिकल संस्थानों, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और समाज को मिलकर ऐसे उपाय करने होंगे, जिससे डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों के लिए काम और जीवन के बीच संतुलन कायम करना आसान हो। यह भी आवश्यक है कि समाज की ओर से डॉक्टरों पर अनावश्यक अपेक्षाओं का बोझ न डाला जाए। डॉक्टर भी इंसान हैं, उनकी भावनाओं और सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। लोगों की सेवा एवं उनका इलाज करने के लिए जुटे रहने वाले डॉक्टर गंभीर संकट के दौर से गुजर रहे हैं। हाल ही में %ब्रिटिश मेडिकल जर्नल% में प्रकाशित एक शोध रिपोर्ट चिंतित कर देने वाली है। इस रिपोर्ट में डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति पर गहरी चिंता जताई गई है। इसमें यह तथ्य सामने आया है कि मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों और डॉक्टरों में आत्महत्या का खतरा आम लोगों की तुलना में कहीं अधिक है। महिला डॉक्टरों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ रहा है। तनाव की वजह से आत्महत्या का सबसे अधिक खतरा महिला डॉक्टरों को है। इस शोध के अनुसार महिला डॉक्टरों में आत्महत्या का खतरा आम लोगों की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। भारत में किए गए अध्ययनों से भी यह स्पष्ट हुआ

है कि 40 प्रतिशत महिला डॉक्टर अत्यधिक तनाव में काम करती हैं। इस तनाव का सीधा संबंध मेंटल डिस्ऑर्डर और आत्महत्या के विचारों से है। इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री% में प्रकाशित एक शोध से भारत के डॉक्टरों के लिहाज से भी चिंताजनक तस्वीर उभरती है। इस जर्नल के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक दशक में भारत में 358 डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें से 70 प्रतिशत की उम्र मात्र 30 से 40 वर्ष के बीच थी। यह आंकड़ा केवल एक नंबर नहीं है, बल्कि यह समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है। जब देश के युवा और प्रतिभाशाली डॉक्टर तनाव और मानसिक दबाव के कारण अपनी जान लेने पर मजबूर हो रहे हैं तो यकीनन यह हमारे हेल्थ केयर सिस्टम और समाज के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। भारत के अध्ययनों से पता चलता है कि 40 प्रतिशत महिला डॉक्टरों को अत्यधिक तनाव की हालातों में काम करना पड़ रहा है। बढ़ता मानसिक असंतुलन और आत्महत्या के विचार इसके कारण हैं। डॉक्टर एमबीबीएस के बाद विशेषज्ञ बनने के लिए पीजी की तैयारी में जुट जाते हैं। एक तरफ काम का दबाव होता है, दूसरी ओर पढ़ाई की चिंता सताती है। इससे उपजे तनाव में संतुलन रखना बहुत कठिन होता है। शायद इसी का परिणाम है कि पिछले पांच सालों में 1270 मेडिकल छात्रों ने पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। इनमें 153 एमबीबीएस तथा 1117 पीजी में एडमिशन लेने वाले छात्र थे, जो एमबीबीएस के बाद विशेषज्ञ डॉक्टर बनने की चाह लिए हुए थे।

हमारे देश में आत्महत्या करने वाली महिला डॉक्टरों में सर्वाधिक 22.4 प्रतिशत %एनेस्थीसिया विभाग% (निश्चेतना) की एवं 16 प्रतिशत %स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग% की थीं। इन विभागों के डॉक्टरों के पास ही सर्वाधिक %हाई-रिस्क% वाले मरीज आते हैं, इसलिए उन पर काम का दबाव एवं तनाव ज्यादा होता है।

डॉक्टरों की भारी कमी वाले हमारे देश में बन रहे ये हालात बहुत बुरे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी की वजह से लोगों को इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर भागना पड़ रहा है। केंद्र सरकार का दावा है कि देश में डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात %विश्व स्वास्थ्य संगठन% (डब्ल्यूएचओ) की ओर से निर्धारित मानदंडों से बेहतर है, मगर स्वास्थ्य मंत्रालय के पिछले साल के आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण भारत में %सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों% (सीएचसी) में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। मंत्रालय द्वारा जारी भारत की %स्वास्थ्य गतिशीलता (बुनियादी ढांचा और मानव संसाधन) 2022-23 रिपोर्ट% के निष्कर्षों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में %सीएचसी% में जरूरी 21 हजार 964 सर्जन, प्रसूति/स्त्री रोग विशेषज्ञ, फिजिशियन और बाल रोग विशेषज्ञों के मुकाबले भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में 17 हजार 551 विशेषज्ञों की कमी है।

सीनियर डॉक्टरों की मानें तो मेडिकल छात्रों और डॉक्टरों पर अत्यधिक दबाव उनके लंबे और कठोर प्रशिक्षण, भारी कार्यभार, सामाजिक अपेक्षाओं और मानसिक स्वास्थ्य सहायता की कमी से उत्पन्न होता है। महिला डॉक्टरों को अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पारिवारिक जिम्मेदारियों का भी संतुलन बनाना पड़ता है, जिससे उनकी स्थिति और जटिल हो जाती है। अस्पतालों में तोड़फोड़, डॉक्टरों से मारपीट और अभद्र व्यवहार जैसी घटनाएं भी इस स्थिति के लिए कम जिम्मेदार नहीं हैं। वर्ष 2022 में राजस्थान के लालसोट में इलाज के दौरान एक प्रसूता की मौत होने पर धरने-प्रदर्शन और पुलिस द्वारा अपने खिलाफ मुकदमा दर्ज करने से परेशान होकर सुसाइड कर लेने वाली युवा चिकित्सक डॉ. अर्चना शर्मा की मौत आज भी झकझोरती है। डॉ. अर्चना ने सुसाइड नोट में लिखा था कि %%मैंने कोई गलती नहीं की है, किसी को नहीं मारा। प्रसवोत्तर रक्तस्राव (पीपीएच) एक कॉम्प्लिकेशन है, इसके लिए डॉक्टरों को प्रताड़ित करना बंद करो।%% हाल में भरतपुर के रेडियोलॉजिस्ट डॉ. राजकुमार चौधरी ने आगरा में जाकर सुसाइड कर ली है। पूरे देश में इस तरह के मामले आते रहते हैं। यह समस्या बहुत बड़ी है जिसका त्वरित समाधान होना चाहिए, लेकिन यह तभी हो सकता है, जब समस्या की जड़ों तक पहुंचकर असलियत की थाह ली जाए। यह जरूरी है कि महिला डॉक्टरों के दृष्टिगत %हेल्थ केयर सिस्टम% में लिंग संवेदनशील रणनीतियां प्रभावी ढंग से लागू की जाएं। कामकाजी माहौल को महिला डॉक्टरों के लिए अधिक अनुकूल बनाना होगा। इसके साथ ही, डॉक्टरों और छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने के लिए विशेष कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए।

सरकार, मेडिकल संस्थानों, %इंडियन मेडिकल एसोसिएशन% और समाज को मिलकर ऐसे उपाय करने होंगे, जिससे डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों के लिए काम और जीवन के बीच संतुलन कायम करना आसान हो। यह भी आवश्यक है कि समाज की ओर से डॉक्टरों पर अनावश्यक अपेक्षाओं का बोझ न डाला जाए। डॉक्टर भी इंसान हैं, उनकी भावनाओं और सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। जिस प्रकार डॉक्टर समाज के लिए जुटे रहते हैं, उसी प्रकार समाज के प्रत्येक वर्ग को भी डॉक्टरों के मानसिक स्वास्थ्य एवं सुकून को बनाए रखने के लिए योगदान देना चाहिए।

बात का बतंगड़ - तिल का ताड़ - राई का पहाड़

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर हज़ारों वर्ष पुरानी भारतीय संस्कृति सभ्यता तथा बड़े बुजुर्गों की कहावतें और मुहावरों का पीढ़ियों सेआज भी बहुत गुणगान नाम है। आज भी हम भारतवंशियों को जो कि दुनियाँ के किसी भी कोने में बसे हो उसमें भारतीय संस्कृति सभ्यता का अंश किसी न किसी रूप में ज़रूर दिखेगा और किसी न किसी रूप से भारतीय मुहावरों का भी संज्ञान उनके जीवन में बसा हुआ है। चूंकि आज हम बड़े बुजुर्गों की कहावतों मुहावरों पर बात कर रहे हैं और और हम देख रहे हैं की 5 फरवरी 2025 को दिल्ली विधानसभा का चुनाव है जिसका रिजल्ट 8 फरवरी 2025 को आना है कि अनेक पार्टियों नेताओं कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने स्तर पर समय का संज्ञान लेते हुए अनेक बातों को उछालकर बात का बतंगड़ बना दिया था किसी ने तिल का ताड़ तो किसी ने राई का पहाड़ बनाया था लेकिन हम जानते हैं के यह सब चुनावी बातें हैं बातों का क्या?यह तो चुनावी बतंगड़ था? अब हम देखेंगे कि हर पार्टी नेता कार्यकर्ता ऐसी बातों का न बतंगड़ करेंगे और न ही ऐसे बयान देंगे और ना ही इनकी चर्चा होगी। अब फिर 2025 के अंत तक व 2026 में कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, चुनावों में फ़िर हमें वही उपरोक्त मुहावरों वाली बातें सुनाई देगी। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, बात का बतंगड़ तिल का ताड़ और राई का पहाड़ (बीटीआर)।

साथियों बात अगर हम उपरोक्त तीनों बीटीआर की करें तो बहुत छोटी-छोटी बातों को बहुत बड़ी बहस आरोप प्रत्यारोप का मुद्दा बना देने से है जैसा कि हमने अभी अभी 5 फरवरी 2025 को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के चुनाव में देखाकि नेता कार्यकर्ता चुनाव में एक दूसरे की छोटी बातों को बीटीआर, पति पत्नी में अपनी बात को लेकर बहस, आजकल के युवाओं में क्रोध के कारण बहस आरोपों और प्रत्यारोपों में हम देखते हैं कि बात इतनी बड़ी नहीं रहती जितना भयानक और खतरनाक उसे बनाया जाता है। कभी-कभी इसका परिणाम बहुत बड़े जुर्म और सामाजिक बुराई का रूप धारण कर लेता है, जिसमें हत्या संबंध विच्छेदन दुश्मनी बढ़ाना शारीरिक व मानसिक हानि होने जैसे अनेक घटनाएं हो जाती हैं। इसलिए हम सभी को चाहिए कि उपरोक्त तीनों बीटीआर से बहुत ही दूर रहकर सावधानीपूर्वक अपनी वाणी का प्रयोग कर हानियों से बचकर अपने आपको समाज को और राष्ट्र को समृद्ध बनाने में योगदान देने की कोशिश करें।

साथियों बात अगर हम उपरोक्त बीटीआर की शुरुआत की करें तो यह मूल बात या विषय जब एक कान से दूसरे कानों तक पहुँचती है तो उस क्रम में हर एक बिचौलिया जैसे की व्यक्ति या संस्था अपने - अपने फायदे के अनुसार मूल बात को तोड़ता मड़ोड़ता रहता है,तब बातों का मूल विषय, भाव, या अभिप्राय बदल जाता है बात बतंगड़ बन जाती है। और ज्यादातर इसका हमारे समाज पर कुप्रभाव ही देखने को मिलता है। पर इस बढ़ा चढ़ा कर की गयी बात यानि बतंगड़ को पकड़ता कौन है? आप हम यानि की जनता ढ्ढ फिर जल्दी-जल्दी ट्वीट डिलीट करने का और ये किसी के व्यक्तिगत विचार हैं पार्टी के नहीं ये सब बातों का दौर चल पड़ता है। हमने इस तरह के बीटीआर को कई बार देखे हैं जिसे रेखांकित करना जरूरी है। साथियों हमने कई बार सुना ही होगा ये गीत सुनिए कहिये सुनिए बातों - बातों में प्यार तो जब मुदा बात ये है की हम कहेंगे की बताने में क्या रक्खा है, हम भी ना बातें करने लगे। बातों पर बातें तो बहुत होती है पर जब गौर से देखेंगे तो मूल में वही एक लाइनर छोटी सी लाइन को बीटीआर करके वायरल कर दिया जाता है। बातें जो है अब कम ही होती हैं क्यूंकि लोग भी स्मार्टफोन की तरह टची हो गएँ हैं न मालूम किसको किसकी बात बुरी लग जाये। आपने बड़े चाव से कोई शायरी लिखी कोई पिक्चर खिचवाया बस एक ब्लू लाइक हो गया। वैसे बतंगड़ का मजा तब है जब माहौल जम जाये जैसे नवोदित साहित्यकारों प्रेमी प्रेमिकाओं के लिए कॉफी हॉउस , गांव के यार दोस्त और गमछा बिछाकर बैठे किसी चाय की दुकान पर पान भी आ गयी और फिर बतंगड़ शुरू। साथियों लोग आमने सामने बैठने बोलने बतियाने को तरस गए हैं और कितने बुजुर्ग या नौजवान भी घोर अकेलेपन में कुंठित हो रहे हैं क्यूंकि खुलकर मनकी बात बोलने बतियाने वाला कोई नहीं रहा। मेरी पिता हमेशा कहा करती है कंगाल से जंजाल अच्छा। तो अकेलापन और उदासी से तो बतंगड़ ही भला। पर अंततः सकारात्मक कुछ निकले या कुछ प्रहशन या व्यंग्य हो पर किसी को ठेस न लगे।वैसे हम बिना विचारे किसी की बातों में मत आना चाइए क्या पता बतंगड़ ही हो।

साथियों बात अगर हम उपरोक्त तीनों बीटीआर को मनोवैज्ञानिक तरीके से देखने के अनुमान की करे तो, कई लोग बात को सीधे कहने की बजाय घुमा फिरा के बीटीआर करके कहते हैं, हमारे अनुसार उनके ऐसा करने के पीछे क्या मनोविज्ञान हो सकता है? इसके पीछे अगर हम मनोविज्ञान की बात करें तो कई कारण हो सकते हैं।जैसे लोग हमसे बीटीआर के द्वारा कुछ जानने की इच्छा रखते हैं। पर वह हमसे सीधे पूछने में हिचकते हैं, जिसके कारण व बातों को घुमाते हैं, और फिर उन बातों को जानने का प्रयास करते हैं, जो वह जानना चाहते हैं। और इसके भी दो कारण हो सकते हैं, या तो वह यह नहीं बताना चाहते कि वह क्या जानना चाहते हैं, या फिर वह कुछ हमसे कुच्छ छुपाना चाहते हैं। और सत्य तो यह है कि आज के समय में कोई बात करते समय या हमको बिल्कुल अहसास तक नहीं होने देता कि वह हमसे क्या जानना चाहता है ,और वह बातों ही बातों में बात के बतंगड़ का प्रेशर देकर सब जान लेता है, जो वह जानना चाहता है, क्योंकि वह जानता है कि अगर वह सीधे-सीधे हमसे पूछेगा तो हम नहीं बताएंगे तो वह जानने के लिए बीटीआर करेगा? सीधे-सीधे जानने के लिए हमसे बातों को घुमा कर पूछेगा, और हम फिर उनकी बातों को सोचेंगे, कि वह हमसे ही बातें कर रहे हैं, और यह हमारे ही फायदे के लिए हैं।इसलिए हमे उन्हें अपना जवाब सीधे-सीधे ही दे देते हैं। जिसके कारण इसका फायदा उठाते हैं, और हमारी मन की बातों को जान जाते हैं।

हीरक जयंती अन्तर्जनपदीय प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करेंगी कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों की 100 से अधिक छात्राओं का होगा सामूहिक टीकाकरण

गोरखपुर(संवाददाता)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित हो रहे हीरक जयंती समारोह को कुशलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष एवं अधिकारी गणों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि हीरक जयंती के अवसर पर आयोजित हो रहे हीरक जयंती अन्तर्जनपदीय प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलाधिपति महामहिम आनंदीबेन पटेल द्वारा 03 मार्च 2025 को विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय में अपने आगमन की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस अवसर पर कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों की छात्राओं में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए सामूहिक टीकाकरण अभियान भी आरंभ किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जागरूकता मुहिम नोडल अधिकारी प्रो दिव्या रानी सिंह द्वारा आरंभ किया जा चुका है। हीरक जयंती समारोह कार्यक्रमों में शामिल होंगे सतत विकास लक्ष्य- कुलपति प्रो. पूनम टंडन

कुलपति ने कहा कि हीरक जयंती समारोह के समस्त कार्यक्रम इसी माह से आरंभ होंगे। सभी कार्यक्रम किसी न किसी सतत विकास लक्ष्य को लेकर आयोजित होंगे। विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक और क्रीड़ा प्रतियोगिताएं तीन स्तरों (ब्लॉक, जनपद तथा विश्वविद्यालय) पर आयोजित होंगी, जिसमें प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। हीरक जयंती के लिए एक विशेष बैनर का प्रारूप डिजाइन होगा, जिसका स्टैंडर्ड डिजाइन और कलर कॉम्बिनेशन होगा। इससे एकरूपता आएगी।

बैठक में प्रति कुलपति प्रो शांतनु रस्तोगी, संचालन समिति की संयोजक प्रो नंदिता सिंह, कुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक आदि उपस्थित रहे।

स्थायी स्मृति के तौर पर निर्मित होगा हीरक जयंती द्वार

हीरक जयंती समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय में एक हीरक जयंती द्वार का भी निर्माण किया जाएगा। द्वार के लिए स्थान चिन्हित कर लिया गया है तथा इसका प्रारूप भी बन चुका है। यह द्वार विश्वविद्यालय में हीरक जयंती वर्ष की स्मृति दिलाता रहेगा।

हीरक जयंती कैलेंडर में होगा समस्त कार्यक्रमों का विवरण

बैठक में समस्त विभागों से अपने आयोजनों की सूचना अगले दो कार्य दिवसों में मांगा गया है। विभागों से सूचना प्राप्त होने के उपरांत हीरक जयंती कैलेंडर का निर्माण किया जाएगा, जिसमें हीरक जयंती के अंतर्गत आयोजित समस्त कार्यक्रमों का विवरण होगा। इस माह से विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित किए जा रहे संगोष्ठियों, सेमिनार, अन्य सांस्कृतिक व शैक्षणिक कार्यक्रमों को हीरक जयंती समारोह के अंतर्गत ही आयोजित किया जाएगा। हीरक जयंती के अवसर पर विभागों द्वारा पुरातन छात्र सम्मेलन भी आयोजित होंगे।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय हीरक जयंती अंतर्जनपदीय प्रतियोगिता हेतु बैठक सम्पन्न

गोरखपुर(संवाददाता)। आज संवाद भवन, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में कुलाधिपति महामहिम आनंदीबेन पटेल के पटेल की प्रेरणा से हीरक जयंती अन्तर्जनपदीय प्रतियोगिता का आयोजन प्रस्तावित है। हीरक जयंती अंतर्जनपदीय प्रतियोगिता का सफल आयोजन विश्वविद्यालय से सम्बद्ध तीनों जनपदों में ब्लॉक स्तर तथा जनपद स्तर पर नोडल महाविद्यालय तय किए गए हैं। संपूर्ण कार्यक्रम की रूप-रेखा पर विमर्श हेतु एक बैठक आहूत थी। इस कार्यक्रम के माध्यम से अंतर्जनपदीय विविध कार्यक्रम में बनाए गए ब्लाक एवं जनपद नोडल महाविद्यालयों को कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा करके जरूरी दिशा निर्देश प्रदान किया गया द्य इस आयोजित बैठक की संरक्षता प्रोफेसर पूनम टंडन , कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर रही द्य कार्यक्रम की शुरुआत सम्मानित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया ।

सभी अतिथियो एवं संयोजकों स्वागत * प्रो. दिव्या रानी सिंह* तथा मीटिंग की प्रस्ताविकी डॉ सत्यपाल सिंह, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने रखा द्य साथ ही साथ प्रो. दिव्या रानी सिंह द्वारा कार्यक्रम में होने वाले मुख्य तीन प्रतियोगिताओं जैसे साहित्यिक प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रतियोगिता एवं खेल प्रतियोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गईद्य कार्यक्रम के सह समन्वयक सत्यपाल जी द्वारा आयोजित मुख्य प्रतियोगिताओं के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के चरणों के बारे में बताया गया। यह प्रतियोगिता प्रथम स्कूल एवं कॉलेज स्तर पर की जाएगी उसके उपरांत जिला स्तर पर एवं अंततः विश्वविद्यालय स्तर पर इसका अंतिम चरण आयोजित होगाद्य जिसमें महामहिम कुलाधिपति, आनंदीबेन पटेल उपस्थिति रहेगीद्य

समिति के सदस्यों एवं उनकी टीम द्वारा कार्यक्रम का दिशा निर्देशित बताया गयाद्य जिसमें डॉ वेंकटेश द्वारा साहित्यिक कार्यक्रमों, डॉ नूपुर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं डॉ आरती यादव द्वारा खेलकूद प्रतियोगिताओं का दिशा निर्देश विस्तृत रूप से बताया गयाद्य आभार ज्ञापन डा. सत्यपाल सिंह द्वारा किया गया।

फास्ट फॉरवर्ड

ज्ञान एवं कला से मनुष्य को पूर्णता प्राप्त होती है : प्रोफेसर पूनम टंडन

गोरखपुर(संवाददाता)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बसंत पंचमी के अवसर पर विभिन्न विभागों में मां सरस्वती की समिधापूर्वक आराधना की गई.

है. प्राचीन इतिहास विभाग में आयोजित पूजा- अर्चना में कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन मुख्य यजमान के तौर पर शामिल हुईं. उन्होंने एक तरफ कर्मचारियों को वस्त्र भेंट किया तो दूसरी तरफ विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया. कुलपति ने कहा कि ज्ञान एवं कला से मनुष्य को पूर्णता प्राप्त होती है. मां सरस्वती ज्ञान एवं कला की अधिष्ठात्री देवी हैं. बसंत पंचमी के अवसर पर उनकी पूजा हमारी परंपरा रही है. प्राचीन इतिहास विभाग विगत 45 वर्षों से अनवरत वाग्देवी सरस्वती की आनुष्ठानिक पूजा समारोहपूर्वक करता आ रहा है. विज्ञान संकाय के प्राणी विज्ञान एवं जंतु विज्ञान विभाग, अभियांत्रिकी संकाय समेत विभिन्न विभागों में भी बसंत पंचमी के अवसर पर मां सरस्वती की विधिवत आराधना की गई. बसंत पंचमी पर्व की परंपरा पर प्रकाश डालते हुए प्रोफेसर राजवंत राव ने बताया कि यह प्राचीन भारत में दीक्षा पर्व के रुप में मनाया जाता था। श्रावण के पूर्णिमा को विद्या आरम्भ होता था और माघ मास के शुक्ल पक्ष के पंचमी को विद्या समाप्ति अर्थात दीक्षांत समारोह सम्पन्न किया जाता था। इस रुप में बसंत पंचमी का पर्व आज भी महत्वपूर्ण है।

सैयद मोदी बैडमिंटन डबल्स मुकाबले में सूरज यादव व हर्षित श्रीवास्तव की जोड़ी ने ट्रॉफी पर कब्जा किया

गोरखपुर(संवाददाता)।सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में खेले गए बैटमिंटन प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि सिविल डिफेंस चीफ वार्डन डॉ संजीव गुलाटी ने विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। स्वर्गीय सैयद मोदी के स्मृति में अंडर 9, 11, 17, 19 बालक, बालिका सिंगल्स, डबल्स मुकाबले खेले गए डबल्स मुकाबले में सूरज यादव व हर्षित श्रीवास्तव की जोड़ी ने श्रेयांस सिंह और उदय सिंह की जोड़ी को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया। वालिका वर्ग में अतिक्षा गेटे ने एर्शिया शुक्ला को श्रेयाशी ने एरवी को रिहिमा यादव ने समीमा खातुन को तथा आरित्या यादव ने रिद्धिमा यादव को पराजित कर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। बालिका एक युगल वर्ग मे अंडर -15 में समीमा खातुन व वैभवी पाण्डेय की जोडी ने एशिया तथा रिद्धिमा की बोडी को पराजित किया अंडर-19 वालिका युगल में अंजली और ट्विंकल की जोड़ी ने शमीमा और सोनम को हराकर फाइनला का खिताब अपने नाम किया। वालक अंडर-17, -19, वर्ग में - एकल हकल मुकाबले में आंशुमन राम ने रौनक खान को अंश कुमार गौड़ ने अर्पित सिंह को, आयुष कुमार ने श्रेयस सिंह को, अंशुमान मल्ल ने शिव प्रताप गौड़ को शुभम पाण्डेय ने अमन को तथा हुसैन अंसारी ने अमन को पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। वालक युगल के अंडर -17 अमन व विभाष मालवीय की जोड़ी ने शुभम पान्डेय और अनुराग यादव की जोड़ी को हराकर तथा सूरज यादव व हर्षित श्रीवास्तव की जोड़ी ने श्रेयांस सिंह और उदय सिंह की जोड़ी को हराकर फाइनल का खिताब पर कब्जा जमाया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में औषधीय औद्योगिकी विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित

गोरखपुर, 3 फरवरी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय में सोमवार को औषधीय औद्योगिकी विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता उत्कृष्टता केंद्र (प्रशिक्षण और प्लेसमेंट) के प्रमुख कृष्ण चंद ने फार्मास्युटिकल उद्योग के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को फार्मास्युटिकल उद्योग की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को फार्मास्युटिकल उद्योग और शिक्षा के बीच संबंधों के महत्व को भी समझाया, और उन्हें फार्मास्युटिकल उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार अपने कौशल और ज्ञान को विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

अतरंगी टेराकोटा आभूषण कलाकारी का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ

गोरखपुर। राजकीय बौद्ध संग्रहालय गोरखपुर (संस्कृति विभाग, उ0प्र0) द्वारा अतरंगी टेराकोटा आभूषण कलाकारी का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला (दिनांक 02 से 08 फरवरी, 2025) का शुभारम्भ संग्रहालय के प्रदर्शनी कक्ष में दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ0 प्रियंका श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर एवं अध्यक्ष रोटरी क्लब आफ गोरखपुर युगल (2024-25) तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमती उषा अग्रवाल अन्तर्राष्ट्रीय इनरव्हील संस्था की पूर्व चेयरमैन एवं समाज और नारी शिक्षा के प्रति जागरूक कार्यकर्ता सहित कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षक दीपिका सिंह, सहायक प्रशिक्षिका रितु अग्रहरी, अल्का सिंह, सरोज पाल, रिंकी गौतम उपस्थित रहीं। उक्त कार्यशाला में कुल 82 लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया है।उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 प्रियंका श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ने अपने सम्बोधन में कहा कि संग्रहालय द्वारा प्राचीन ऐतिहासिक मृण्मूर्तियों से प्रेरित टेराकोटा कला के क्षेत्र में गोरखपुर शहर के लोगों को उक्त प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित करके व्यवसायिक कला को प्रोत्साहिक करना अत्यन्त हर्ष एवं गौरव की बात है। मैं इस कार्यशाला के आखिरी दिन की प्रदर्शनी देखने के लिए दिनांक 08 फरवरी, 2025 को अवश्य आऊंगी। हमारे पूर्वजों ने जो टेराकोटा कला को सहेज कर रखा था, उसे आज संग्रहालय के उप निदेशक डॉ0 यशवन्त सिंह राठौर द्वारा मूर्त रूप देने का प्रयास अत्यन्त ही सराहनीय पहल है। टेराकोटा के माध्यम से आज गोरखपुर का नाम विदेशों तक जा रहा है। इस कला को आगे बढ़ाने में हम सभी को योगदान देना चाहिए। हम लोगों के साथ डॉ0 यशवन्त जी का हाथ है और साथ है।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती उषा अग्रवाल द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि बौद्ध संग्रहालय के माध्यम से कला प्रतिभा को निरन्तर गढ़ा जा रहा है। जो विभिन्न क्षेत्रों में रचनात्मक कार्यशाला/गतिविधियों का निरन्तर आयोजन करके बौद्ध संग्रहालय का कीर्तिमान पूरे प्रदेश में उत्तरोत्तर स्थापित किया जा रहा है। इसके लिए मैं इन्हें बधाई देता हूँ। भारतीय संस्कृति एवं कला को वर्तमान परिवेश में वर्तमान युवा पीढ़ी को संग्रहालय से जोड़कर उन्हें भारत की प्राचीन गौरवशाली इतिहास, कला एवं संस्कृति से परिचित कराना का यह अद्भूत प्रयास है। संग्रहालय के उप निदेशक, डॉ0 यशवन्त सिंह राठौर ने कहा कि संग्रहालय में प्रथम बार अतरंगी टेराकोटा आभूषण कलाकारी की सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया है। कार्यशाला में प्रयास किया जा रहा है कि सभी प्रतिभागी इस अद्भूत टेराकोटा आभूषण कलाकारी से परिचित हो सकें तथा इसकी अनुभूति स्वयं कर सकें। टेराकोटा कला मानव इतिहास की प्राचीनतम कलाओं में से एक है। कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों को टेराकोटा कलाकृतियों को बनाने से लेकर, पकाने एवं रंगने आदि की तकनीकी से परिचित कराया जाएगा। दिनांक 08 फरवरी, 2025 को इस कार्यशाला में सृजित टेराकोटा आभूषणों की प्रदर्शनी का आयोजन सभी के अवलोकनार्थ किया जाएगा। कार्यशाला के 05 उत्कृष्ट चयनित प्रतिभागियों को प्रदर्शनी के दिन सम्मानित करने के साथ अन्य चयनित प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जायेगा। मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि को संग्रहालय की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में 05 फरवरी को पुरातन छात्र सम्मेलन 2025 का आयोजन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर इस वर्ष अपने स्थापना का 75वां वर्षगाँठ अर्थात हीरक जयंती मनाने जा रहा है। इस अवसर पर आयोजित होने जा रहे विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला में मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग द्वारा दिनांक 05 फरवरी 2025 दिन बुधवार को %पुरातन छात्र सम्मेलन 2025% का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। इस अवसर पर %पुरातन छात्र परिषद्% का गठन किया जाएगा जिसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय एवं विभाग की समृद्धि में अपना योगदान करना एवं आगामी पुरातन छात्र सम्मेलनों का आयोजन कराना रहेगा। कार्यक्रम में गोरखपुर के समृद्ध इतिहास से सम्बन्धित पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा जिसमें लगभग 200 पोस्टरों के माध्यम से गोरखपुर क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास को उकेरने का प्रयास किया गया है जिसका उद्घाटन माननीय कुलपति द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम की इस श्रृंखला में %गोरखपुर का इतिहास% विषय पर एक विशेष व्याख्यान भी होगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ0 बाल मुकुंद पांडेय जी की गरिमामयी उपस्थिति होगी तथा प्रख्यात समाज सेवी डॉ0 चंद्र प्रकाश त्रिपाठी जी कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ।

बसंत पंचमी पर बालकवि गोष्ठी का हुआ आयोजन

गोरखपुर। महात्मा गांधी इंटर कॉलेज एवं संस्कार भारती महानगर इकाई के सयुंक्त से बसंत पंचमी पर्व के अवसर पर सरस्वती पूजन एवं बालकवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान संजय कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में शशांक शेखर, निखिल पांडेय, आयुष, आशीष पांडेय, कृष्णानंद मौर्य, आयुष तिवारी, हृदयांश श्रीवास्तव, आदर्श, सात्विक चतुर्वेदी महान उपन्यासकार एवं कवि जयशंकर प्रसाद के कृतियों पर विस्तृत काव्य पाठ किया गया, तद्उपरांत संस्कार भारती के संयोजक लोक कला प्रसिद्ध लोक गायक राकेश उपाध्याय ने भजन एवं लोकगीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर महानगर इकाई के अध्यक्ष मनकेश्वर पांडेय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. भारत भूषण, प्रांतीय मंत्री सुशील श्रीवास्तव, महानगरी के महामंत्री आलोक कुमार श्रीवास्तव, जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, डॉक्टर सुदीप्ता बी भूषण, नील रतन वैश्य, नीति श्रीवास्तव डॉ प्रियंका श्रीवास्तव, आलोक रंजन वर्मा, विवेक कुमार अस्थाना, महात्मा गांधी इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ ओपी सिंह,सहित विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर में संपन्न हुआ सरस्वती पूजन और विद्यारंभ संस्कार

गोरखपुर । सरस्वती शिशु मंदिर (10+2) पक्कीबाग गोरखपुर में सरस्वती पूजन एवं विद्यारंभ संस्कार संपन्न हुआ। इस अवसर पर सैकड़ो की संख्या में शिशु अपने माता-पिता के साथ विद्यारंभ संस्कार में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित विद्यालय के पूर्व छात्र महापौर गोरखपुर डा. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि यह महत्वपूर्ण हिंदू अनुष्ठान है जो ज्ञान, शिक्षा और संस्कृति के महत्व को दर्शाता है। सनातन परंपरा में मनुष्य जीवन में संस्कारों का विशेष महत्व है। ऐसे 16 संस्कारों का प्रावधान हिन्दू धर्म में वर्णित है। उनमें से एक प्रमुख संस्कार है %विद्यारम्भ संस्कार%। माँ सरस्वती के प्राकट्य दिवस बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजन के साथ ही विद्या भारती के शिशु मन्दिरो में विद्यारम्भ संस्कार को उत्सव के रुप में मनाते हैं। अतिथि परिचय कराते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर राजेश सिंह ने कहा कि हिन्दू धर्म में हर शुभ काम को करने का सही मुहूर्त होता है। ऐसी मान्यता है कि यदि शुभ कार्य को सही मुहूर्त पर किया जाए तो उसकी सफलता और फलदायी क्षमता बढ़ जाती है। विद्यारंभ संस्कार के दौरान, बच्चे को मंत्रोच्चार के साथ अक्षरों का ज्ञान कराया जाता है। शिक्षा जीवन की शुरुआत का प्रतीक होता है। विद्यारंभ संस्कार का उद्देश्य बच्चे को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना और उसे ज्ञान की दिशा में प्रेरित करना है। इस दौरान विद्यालय परिसर में उपस्थित सैकड़ों बच्चों का विद्यारम्भ संस्कार सम्पन्न हुआ। नन्हे बालक बालिकाओं को उनके माता पिता व गुरुजनों के सहयोग से पेन्सिल से पेपर पर ओम लिखवा कर व स्वास्तिक का चिह्न बनवाया गया। आज वीर हकीकत राय का बलिदान दिवस भी था। उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय के आचार्य सौरभ शुक्ला ने कहा कि वीर हकीकत अपने धर्म की रक्षा हेतु बलिदान हों गये लेकिन धर्म को झुकने नहीं दिया। साथ ही भैया बहनों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया एवं घोष दल के साथ कलश यात्रा भी निकाली गई। हवन, आरती एवम प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिशु शिक्षा समिति प्रदेश निरीक्षक राम सिंह, विद्यालय समिति के कोषाध्यक्ष महेश गर्ग, डॉ सूर्यकांत त्रिपाठी सहित गणमान्य आगंतुक, अभिभावक गण के साथ समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

महाकुंभ में स्नान करके लौट रहे 97 वर्षीय वयोवृद्ध ने झूसी बस स्टैंड पर ली अंतिम सांस

गोरखपुर । विकास खण्ड बड़हल गंज के खोहिया पट्टी गांव निवासी 97 वर्षीय सत्यनारायण पाण्डेय अपने दो पुत्रवधू विद्यावती देवी स्वेता पांडेय व अपने छोटे भाई की धर्म पत्नी सुभावती देवी सहित गांव के तीस लोगों के साथ परिवहन निगम की बस को बुक करके लोगो के साथ मौनी अमावस्या के चार दिन पूर्व 25 जनवरी को घर से प्रस्थान किये। वहाँ सकुशल पहुँचने के बाद चार दिन संगम महाकुंभ में डुबकी लगाएं। मौनी अमावस्या के दिन साथ गए लोगो के साथ सुबह 2 बजे स्नान करके अपने बेड़ा पर पहुँचे और आराम किये । दोपहर एक बजे के आसपास वापसी के लिए बुजुर्ग अवस्था 10 किमी पैदल चलकर रात्रि 8 बजे झूसी बस स्टैंड पहुँचकर सभी लोगो के साथ भोजन करके आराम करने के लिए सोए गए । जब बस बैठने के लिए उनकी बहुओं ने जगाया तो देखी की बाबा की सांस थम चुकी थी । उस समय रात्रि 11 बजकर 40 मिनट हो रहा था । बहुओं ने साथ गए लोगो को बताई तो लोगों ने उनके घर बाबा के निधन की सूचना दिया । बाबा के निधन की सूचना प उनके प्रपौत्र रोहित पाण्डेय विहारी पाण्डेय गए वहाँ पहुँचकर साथ के लोगो के काफी दिक्कतें झेलते हुए रसूलाबाद गंगा तट पर अंतिम संस्कार कराया । सूचना के बाद दिल्ली से पहुचे उनके लड़के शेषनाथ पांडेय ने मुखाग्नि दिया । बड़ी दिलचस्प की बात यह हैं कि घर से जाते समय सत्यनारायण पांडेय ने घर के लोगों पैसा मांगते हुए कहा कि हर यह मेरा अंतिम संगम स्नान है । अभी तक कोई स्नान छुटा नही हैं अब घर नही आएंगे । प्रपौत्र रोहित पांडेय ने बताया कि सत्यनारायण पांडेय अपनी छठवीं पीढ़ी को देख कर गए संयुक्त परिवार का एक उदाहरण हैं ।बाबा के निधन पर क्षेत्र के लोगो मे चर्चा है कि पांडेय जी निश्छल प्रवित्ति के थे।प्रयाग राज के संगम क्षेत्र में मुक्ति मिली।

संस्थापकों के सानिध्य में हुआ प्रेस क्लब के पुस्तकालय का पुनः शुभारंभ

सबने जताया भरोसा, रचनात्मक कार्यो का क्रम बनाए रखेगी नई कार्यकारिणी

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब में पुस्तकालय का पुनः शुभारंभ सोमवार को बसंत पंचमी का पावन पर्व पर प्रेस क्लब के संस्थापकों और पूर्व पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर उपस्थित संस्थापकों, पूर्व पदाधिकारियों और वरिष्ठ पत्रकारों ने पुस्तकालय के पुनः शुभारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि रचनात्मक कार्यों का क्रम लगातार बने रहना चाहिए। संस्थापकों और कई वरिष्ठ पत्रकारों ने पुस्तकें भी दान कीं। प्रेस क्लब में पुस्तकालय पुनः शुभारंभ के अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष डॉ. एसपी त्रिपाठी, संस्थापक सदस्य वीरेंद्र मिश्र दीपक, जयशंकर मिश्र, राकेश सारस्वत, कौशल त्रिपाठी, सुधीर श्रीवास्तव, गोरखपुर जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष रत्नाकर सिंह, वरिष्ठ पत्रकार सुजीत पांडेय, गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अशोक चौधरी, डॉ. अरविंद कुमार राय, पूर्व उपाध्यक्ष विजेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री विजय जायसवाल, नवनीत प्रकाश त्रिपाठी, धीरज श्रीवास्तव, ओंकार धर द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार टीपी शाही, उपेंद्र पांडेय, विश्वमित्र भट्ट ने नई कार्यकारिणी की इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि हम सभी अच्छे कार्यों में साथ देने के लिए तैयार हैं। सभी वरिष्ठ अभ्यागतों का माल्यार्पण कर और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। स्वागत संबोधन प्रेस क्लब अध्यक्ष रीतेश मिश्र, आभार ज्ञापन महामंत्री पंकज कुमार श्रीवास्तव और संचालन वरिष्ठ पत्रकार प्रेम कुमार ने किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष भूपेंद्र द्विवेदी, संयुक्त मंत्री अंगद प्रजापति, कोषाध्यक्ष प्रिंस पांडेय, पुस्तकालय मंत्री विनय सिंह, कार्यकारिणी सदस्य परमात्मा राम त्रिपाठी, राजीव पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार काजी ए. रहमान, वागीश श्रीवास्तव, सतीश पांडेय, गजेंद्र त्रिपाठी, राजेश पांडेय, राम गोपाल द्विवेदी, मुकेश पांडेय, अखिलेश पांडेय, शिवहर्ष द्विवेदी, कंचन त्रिपाठी, विवेक अस्थाना, सुभाष गुप्ता।

यूपी: आधार की कमियों की वजह से नहीं बन पा रही हैं अपार आईडी, यू-डायस में संशोधन के अधिकार में भी समस्या

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी के बेसिक और माध्यमिक स्कूलों में अपार आईडी बनने में समस्याएं आ रही हैं। आधार की तकनीकी समस्याओं की वजह से वेरीफिकेशन का काम नहीं हो पा रहा है। बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों की ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार) आईडी बनाने के लिए स्कूलों पर काफी दबाव है। इसके लिए रविवार को भी स्कूल व कार्यालय खोले गए, लेकिन अपार आईडी बनाने में सबसे बड़ी बाधा छात्रों व उनके अभिभावकों के आधार कार्ड हैं। इनमें कुछ के आधार नहीं हैं तो कुछ के आधार में कमियां हैं। इससे अपार आईडी बनने में दिक्कत आ रही है। प्रदेश में चार फरवरी तक शत-प्रतिशत छात्रों की अपार आईडी बनाने का लक्ष्य है, लेकिन इसकी प्रगति ठीक नहीं है। शिक्षकों के मुताबिक छात्र के आधार में दर्ज नाम व पते से स्कूल के रिकॉर्ड में थोड़ा भी अंतर है तो अपार आईडी नहीं बन रही है। उप्र. माध्यमिक शिक्षक संघ (चंदेल गुट) के प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी ने कहा कि अपार आईडी बनाने से पहले आधार में संशोधन के लिए कैंप लगाना चाहिए जिससे ऐसी दिक्कतें न हों। उप्र. बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि आधार न होने व इसमें कमियां से काफी दिक्कतें हो रही हैं। इसके लिए भी शिक्षक पर ही दबाव बनाया जाता है। विद्यालयों में एक दिक्कत यह भी आ रही है कि स्कूल स्तर पर यू-डायस में डाटा संशोधन का अधिकार प्रधानाचार्य को नहीं है। इसके लिए आवेदन भेजा जाता है और निदेशालय स्तर पर इसमें सुधार किया जाता है। इसमें काफी समय भी लगता है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के निर्भय सिंह ने कहा कि बच्चों का नामांकन सिर्फ पहले क्लास में होता है। दूसरी व तीसरी क्लास में बच्चे का पुराना ही डाटा लिया जाता है। किसी भी तरह के संशोधन के लिए मैनुअल प्रस्ताव लिया जाता है और फिर निदेशालय इस पर कार्यवाही करता है। डाटा संशोधन का अधिकार प्रधानाचार्य को दिया जाना चाहिए। प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा को पत्र लिखकर कहा है कि तहसील व खंड विकास अधिकारी कार्यालय से छात्रों के जन्म प्रमाणपत्र समय से नहीं जारी हो रहे हैं। इससे अपार आईडी बनाने में भी दिक्कत आ रही है। आधार कार्ड न होने से छात्रों को डीबीटी का लाभ भी नहीं मिल रहा है। बच्चों व अभिभावकों के आधार कार्ड व स्कूल डाटा में भी अंतर है।

महाकुंभ: नगर विकास मंत्री लगातार कुम्भ मेले में कर रहे प्रवास

लखनऊ(संवाददाता)। तीर्थराज प्रयाग महाकुंभ के व्यवस्थापन, सफाई, स्वच्छता के लिए, नगर विकास विभाग भगीरथ प्रयास कर रहा है। व्यवस्था में कहीं पर चूक व शिकायत न हो, इसके लिए नगर विकास मंत्री एके शर्मा लगातार कुम्भ मेला क्षेत्र प्रवास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर लगभग 04 करोड़ श्रद्धालुओं सहित महाकुंभ में अब तक 35 करोड़ से अधिक देश-विदेश से आये श्रद्धालुओं ने प्रतिभाग किया। कुम्भ मेला क्षेत्र की सफाई व्यवस्था हेतु 20 हजार सफाई कर्मियों, सैकड़ों सुपरवाइजर, हजारों मशीनों, वाहन और संसाधन नगरीय निकायों से लगाये गये। नगर विकास मंत्री ने बताया कि बसंत पंचमी में संगम में पुष्प स्नान के लिए भारी भीड़ के बाद भी मेला क्षेत्र की विशेष एवं त्वरित सफाई सुनिश्चित करने के लिए प्रयागराज नगर निगम की निकटतम निकायों से अपर नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारी स्तर के 14 अधिकारियों की अतिरिक्त रूप से ड्यूटी लगायी गयी। शौचालयों की डिस्लजिंग की व्यवस्था पूर्ण करायी गयी तथा निकटतम निकायों से लाकार लगभग 25 मोबाइल ट्वायलेट की और अतिरिक्त रूप से व्यवस्था की गयी। विभागीय मंत्री सहित प्रमुख सचिव एवं सचिव निदेशक द्वारा स्थलीय निरीक्षण कर शौचालयों एवं सफाई व्यवस्था की जांच की गयी। राज्य स्तर से विशेष टीमों द्वारा सचिव के नेतृत्व में डेडिकेटेड टीम द्वारा विभिन्न सेक्टर्स का स्थलीय निरीक्षण, डस्टबिन की उपलब्धता, शौचालय की व्यवस्था एवं साफ-सफाई, रोड स्वीपिंग आदि का निरीक्षण लगातार किया जा रहा। ट्वायलेट के इस्तेमाल के उपरांत जेट स्प्रे से तुरंत सफाई एवं चूना आदि की व्यवस्था की गयी तथा खराब पाए गए शौचालयों को तत्काल व्यवस्थित किये जाने की व्यवस्था की गई। महाकुंभ क्षेत्र में भारी भीड़ के कारण शौचालयों की उपयोगिता अत्यधिक होने के कारण तत्काल डिस्लजिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करायी गयी। शेड वाले समस्त अस्थायी मूत्रालयों पर साइनेज की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी। सभी शौचालय पर भी साइनेज की व्यवस्था की गयी तथा जगह-जगह पर शौचालयों की दूरी के बारे में बोर्ड भी लगाए गए। महाकुंभ क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाये जाने हेतु अखाड़ों में दोना-पत्तल और मेले में कपड़े के थैलों का वितरण किया गया। अमृत स्नान के उपरांत तत्काल गार्बेज कलेक्शन कर नजदीकी एमआरएफ एवं एसडब्लूएम प्लांट पर उनके त्वरित निस्तारण हेतु भेजा जा रहा है। सफाई कर्मियों द्वारा निरंतर सफाई करने के साथ ही प्रति घंटे कूड़े का उठान किया जा रहा है, जिससे कि अमृत स्नान के अवसर पर कुंभ क्षेत्र में गार्बेज प्वाइंट्स डेवलप न हों। सफाई कर्मियों द्वारा निरंतर रोड स्वीपिंग की जा रही है, जिसका निरंतर अतिरिक्त अधिशासी अधिकारियों एवं राज्य की डेडिकेटेड टीम द्वारा किया जा रहा है। महाकुंभ में आये हुए श्रद्धालुओं के पैर में धूल न लगे और न ही धूल उड़े इसके लिए नगरीय जल निगम के लगभग 200 जल छिड़काव टैंकर निरंतर सेवा में लगाये गये हैं।

भागवत कथा का शुभारंभ,पहले दिन निकाली कलश यात्रा

बाराबंकी। हैदरगढ़ क्षेत्र के पूरे पराग तिवारी मजरे रोहना मीरापुर गांव में सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का भव्य आगाज हुआ। यजमान रामप्रसाद तिवारी के आवास पर आयोजित इस कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ किया गया, जो 9 फरवरी तक चलेगी। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। डीजे की धुन पर नाचते-गाते भक्तों का जुलूस दोपहिया और चारपहिया वाहनों के साथ नटवीरन चौराहा और सुबेहा कस्बा होते हुए गोमती नदी सरायराज पहुंचा। वहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश में पवित्र जल भरा गया और फिर यात्रा कथा स्थल पर लौट आई, जहां विधिवत समापन किया गया।

बिरजू महाराज जयंती समारोह आज, पर्यटन मंत्री करेंगे उद्घाटन

लखनऊ,03 फरवरी 2025 (यूएनएस)। बिरजू महाराज कथक संस्थान लखनऊ,संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा कल 04 फरवरी को पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन संत गाडगे महाराज प्रेक्षागृह संगीत नाटक अकादमी गोमती नगर में सांय 05 बजे से शुरू होगा। समारोह का उद्घाटन संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह करेंगे। समारोह में पं. बिरजू महाराज जी की शिष्या डॉ. दीपान्विता सिंधा राय द्वारा एकल नृत्य की प्रस्तुति भी दी जायेगी। पं बिरजू महाराज शास्त्रीय कथक नृत्य के लखनऊ कालिका बिंदादीन घराने के अग्रणी नर्तक थे। वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। कथक नृत्य के अलावा उनको गायन, तबला, पखावज इत्यादि के वादन में भी महारथ हासिल थी। उन्होंने ठुमरी, भजन और कवित्त आदि की रचना की थी। कथक क्षेत्र में उनका अद्वितीय योगदान है।

फास्ट फॉरवर्ड

फर्जी कागजात की मदद से 19 साल से नौकरी कर रहा था सिपाही, शिकायत के बाद केस दर्ज

गोरखपुर ।कैंट थाना में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां फर्जी प्रमाणपत्र का इस्तेमाल कर एक युवक 19 साल से पुलिस में नौकरी कर रहा था। अब युवक के खिलाफ कैंट थाने में जालसाजी का केस दर्ज किया गया है। चचेरे भाई के आरोप के बाद जीआरपी में तैनात सिपाही के प्रपत्रों की जांच की गई तो उसमें कमियां सामने आई। इसके बाद एसपी जीआरपी के आदेश पर कैंट थाने में पुलिसकर्मी पर केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। देवरिया जिले के बढ़ौना हरदो गांव निवासी हिमांशु उपाध्याय ने एसपी जीआरपी से फर्जी नियुक्ति की शिकायत की थी। उन्होंने प्रार्थना पत्र में लिखा था कि उनके पट्टीदार सुशील कुमार उपाध्याय फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर 2006 में उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती हुए थे। वर्तमान में जीआरपी में तैनात हैं। सुशील ने बार-बार अपनी जन्मतिथि बदलकर हाईस्कूल परीक्षा पास की और परिवार रजिस्टर में भी अपनी जन्मतिथि बदलवाकर नौकरी कर रहे हैं। शिकायती प्रार्थना पत्र के साथ ही हिमांशु ने हाईस्कूल की तीन जन्मतिथि वाली मार्कशीट, परिवार रजिस्टर की दो जन्मतिथि की फोटोकॉपी भी लगाई। एक वर्ष पहले की गई शिकायत पर एसपी जीआरपी ने जांच के निर्देश दे दिए थे।

यथार्थवादी परिदृश्य बनाने की विधि है सिमुलेशन : डॉ. अजीथा

गोरखपुर, । महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल,में 'सिमुलेशन और ओएससीई' वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसका मुख्य थीम 'ब्रिजिंग द गैप बिटवीन थ्योरी एंड प्रैक्टिस' रहा। इस अवसर पर नर्सिंग संकाय की प्रमुख डॉ. डीएस अजीथा ने बताया कि सिमुलेशन यथार्थवादी परिदृश्य बनाने की विधि है जो छात्रों को कौशल का अभ्यास करने की अनुमति देता है। यह छात्रों को निर्णय लेने की क्षमता, समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने में मदद करता है तथा उन्हें सुरक्षित वातावरण में सिद्धांतों को लागू करने की अनुमति देता है। सिमुलेशन का उद्देश्य मानवीय त्रुटि को कम करना, रोगी देखभाल कौशल का अभ्यास करना, गलती की अनुमति देना और उसमें सुधार करना है। इसलिए, कड़ी मेहनत की तुलना में स्मार्ट काम करना अच्छा है। डॉ. अजीथा ने सिमुलेशन की विभिन्न पद्धतियों के बारे में भी बताया जो मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं - पहला क्लासिकल- एक देखें, एक करें, एक सिखाएं और दूसरा आधुनिक - एक देखें, कई अभ्यास करें और एक करेंढ्ढ आज के समय मे, सिमुलेशन भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि केवल व्याख्यान देने से केवल 10त्न परिणाम मिलता है लेकिन हम अन्य शिक्षण पद्धति के माध्यम से 90त्न से अधिक परिणाम देख सकते हैं ढ्ढइसमें मुख्य रूप से 5 घटक हैं- सिमुलेशन योजना, पूर्व संक्षिप्त विवरण, परिदृश्य, डीब्रीफिंग, मूल्यांकन इसलिए हमने कहा कि सिमुलेशन तकनीक नहीं है यह एक पद्धति है। श्वेता अल्बर्ट, नर्सिंग ट्यूटर ने सिमुलेशन पर पूर्व परीक्षण कराया, उप प्राचार्य प्रिंसी जॉर्ज ने कार्यशाला के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। ममता, सहायक प्रोफेसर ने वर्कशॉप के अमीन उद्देश्य बारे में बताया। रजिता आर.एम., एसोसिएट प्रोफेसर ने समूह की सहायता से सिमुलेशन के संबंध में अपेक्षा पर चर्चा की

विश्वविद्यालय की वार्षिक एथलेटिक मीट का शुभारंभ 4 फरवरी से

गोरखपुर।दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालय की वार्षिक एथलेटिक मीट 2024 -25 का उद्घाटन दिनांक 4 फरवरी को प्रातः 10:30 बजे कुलपति प्रो पूनम टंडन द्वारा किया जाएगा द्य प्रतियोगिता का समापन दिनांक 6 फरवरी को अपराह्न 2:00 बजे से होगा द्य समापन सत्र के मुख्य अतिथि लक्ष्मण पुरस्कार एवं यश भारती से सम्मानित पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के क्रीड़ा अधिकारी चंद्र विजय सिंह होंगे तथा समापन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन द्वारा की जाएगी द्य यह जानकारी प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ राज वीर सिंह ने दी,तथा बताया कि तीन दिनों तक चलने वाली वार्षिक एथलेटिक मीट के पर्यवेक्षक विनोद कुमार सिंह प्रशिक्षक एथलेटिक्स पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर रहेंगे द्य एथलेटिक्स प्रतियोगिता के ट्रैक को अंतिम रूप दिया जा चुका है द्यआज देर शाम तक खेल मैदान पर अलग-अलग स्पर्धाओं से संबंधित मार्किंग पूरी की जा चुकी है ।

संपत्तिकर ऑनलाइन पोर्टल का किया शुभारंभ

खैराबाद सीतापुर। बसन्त पंचमी के दिन नगर पालिका परिषद खैराबाद सीतापुर के संपत्तिकर ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ श्री राकेश राठौर ÷गुरु÷ माननीय नगर विकास राज्य मंत्री द्वारा किया गया । इस अवसर पर माननीय मंत्री जी द्वारा डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन अभियान का भी शुभारंभ किया गया । संपत्तिकर पोर्टल के शुभारंभ होने से अब नगर के समस्त सम्मानित नागरिक अपने संपति का विवरण स्वयं अपने मोबाइल में देख सकेंगे और अपने गृहकर ,जलकर एवं अन्य देयों का भुगतान ऑनलाइन अपने घर बैठकर कर सकेंगे ।नगर में बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का भी प्रारंभ किया गया । इस अवसर माननीय मंत्री जी द्वारा सम्मानित नागरिक गण से यह अपील किया गया कि सरकार निकायों के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है इसके लिए यह आवश्यक है प्रदेश के सभी शहर अपने आय को बढ़ाकर आत्मनिर्भर बने इसलिए अपने शहर के विकास में अपने करो का भुगतान समय से करे । साथ ही माननीय मंत्री जी द्वारा यह भी अपील किया गया कि सभी लोग अपने घर के गिला एवं सूखा कूड़ा को अलग अलग रखे और सड़क या नाली में न फेंके उसे नगर पालिका के गाड़ी या कर्मचारी को ही दे । इस अवसर पर नगर पालिका परिषद खैराबाद की अध्यक्ष श्रीमती बेबी गुप्ता , प्रसिद्ध समाजसेवी एवं भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता श्री अभिषेक गुप्ता , अधिशासी अधिकारी प्रेम शंकर गुप्ता, सभाषद श्री विष्णु कुमार, श्री हबीब, श्रीमती मुन्नी, श्री युसूफ खां, श्री उमेश, श्रीमती शबेनाज़, श्री सुनील, श्री फरजन्द अली।

कार ड्राइवर हत्याकांड में 5 आरोपी गिरफ्तार,इंदिरा नहर में फेंका शव

बाराबंकी,(संवाददाता)। लखनऊ में एक कार चालक की हत्या का मामला सामने आया है। बाराबंकी के सफदरगंज के दादरा गांव निवासी पंकज कुमार की हत्या कर शव को इंदिरा नहर में फेंक दिया था। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर दो अर्टिगा कार बरामद की हैं। घटना 24 जनवरी की है, जब कुछ लोगों ने पंकज को लखनऊ के कमता चौराहे से गोरखपुर जाने के लिए बुक किया था। जब 27 जनवरी तक वह वापस नहीं लौटे, तो परिजनों ने सफदरगंज थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन और मैनुअल इंटेलिजेंस के आधार पर गाजियाबाद के चंदौली गांव से दो संदिग्धों को पकड़ा। इनकी निशानदेही पर तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी उदय प्रताप एक शिक्षण संस्थान का छात्र है। जो लखनऊ के तिवारीगंज में किराए के मकान में रहता था। उसका रूम पार्टनर शुभम मिश्रा कार चालक है। आरोपी मोहम्मद वसीम, निकेत कुशवाहा, आशुतोष कुमार, नूरसीद अली और गौरव सिंह अक्सर उदय से मिलने आते थे। सभी मिलकर शराब पार्टी करते और घूमने जाते थे।

इन खर्चों को पूरा करने के लिए इन्होंने वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल एसडीआरएफ की टीम गोताखोरों की मदद से नहर में शव की तलाश कर रही है। योजनाबद्ध तरीके 23 जनवरी को सुलतानपुर जाने के लिए अर्टिगा कार यूपी 32 एनएच 8092 बुक किया गया। रायबरेली में अर्टिगा कार लूटकर चालक को हाथ-पैर बांधकर फेंक कर चले गए।जिसके सम्बन्ध में थाना हरचन्द्रपुर रायबरेली में भी बीएनएस पंजीकृत किया गया। इस लूट की घटना में सफल होने पर अभियुक्तगण का मनोबल बढ़ जाने पर कमता लखनऊ से एक अर्टिगा गाड़ी गोरखपुर के लिए बुक किया गया। जिसमें कुछ अभियुक्त बैठे गए एवं शेष अभियुक्त, अभियुक्त गौरव की अर्टिगा गाड़ी यूपी 32 एनएच 8092 से पीछा करने लगे और इन्दिरा नहर के रास्ते माती पुल के पास ड्राइवर पंकज की हत्या कर शव को नहर में फेंक कर गाड़ी लेके चले गए। अभियुक्त प्रमोद सैनी, राजू गीतम, मो. हसीव, शुभम मिश्रा, उदय प्रताप सिंह को उपरोक्त लूट की घटना में रायबरेली पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था। इसलिए हम लोग डर गए और यूपी 32 वीएन 6387 गाड़ी को बेचने हेतु जैदपुर जा रहे थे। रास्ते में पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्तगण के आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी की जा रही है।

महिला बीट पुलिस ने चौपाल लगाकर साइबर क्राइम और हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

बाराबंकी(संवाददाता)। जनपद में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में मिशन शक्ति के पांचवें चरण की शुरुआत की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को मजबूत करना है। जिले के सभी थानों की महिला बीट अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया। चौपाल के माध्यम से महिलाओं को साइबर अपराध, घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा और कार्यस्थल पर होने वाले यौन उत्पीड़न जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूक किया गया। इसके अलावा, पॉक्सो एक्ट और बाल विवाह रोकथाम के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का एक प्रमुख हिस्सा था आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी, जिसमें वूमेन पावर लाइन (1090), पुलिस आपातकालीन सेवा (112), मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (1076), चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), वन स्टॉप सेंटर (181), साइबर हेल्पलाइन (1930), स्वास्थ्य सेवा (102) और एंबुलेंस सेवा (108) शामिल हैं। महिलाओं को जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाना हेल्प डेस्क, जिला संरक्षण अधिकारी, राष्ट्रीय व राज्य महिला आयोग और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जैसी सहायता सेवाओं के बारे में भी अवगत कराया गया।

बेटियों ने युवा कल्याण खेलों में किया कमाल,पूजा ने जीते 2 गोल्ड और 3 सिल्वर

बाराबंकी(संवाददाता)। जिले के बड़ापूरा गांव की बेटियों ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आयोजित युवा कल्याण खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीतकर अपने गांव का नाम रोशन किया है। पूजा देवी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से 2 स्वर्ण और 3 रजत पदक हासिल किए। इसी प्रतियोगिता में आरती देवी और काजल ने भी रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इन होनहार खिलाड़ियों के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानाचार्य गणेश प्रसाद और शैलेश कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मौजूद अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नीरज शर्मा ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि आगामी 9 फरवरी को बाराबंकी के हरख ब्लॉक खेल मैदान में आर्यावर्त खेल महासंघ का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर खेलने का अवसर मिलेगा, जिसमें जिले के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

केवाईसी अपडेट के नाम पर साइबर ठगी,साइबर सेल ने पीड़ित के खाते में 55 हजार रुपए कराए वापस

बाराबंकी। जिले में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। कोतवाली नगर के रहने वाले सनी वर्मा को साइबर अपराधियों ने केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर 55,000 रुपये की चपत लगा दी। पीड़ित की शिकायत पर साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरी रकम को वापस कराने में सफलता हासिल की। घटना की जानकारी के अनुसार, साइबर अपराधियों ने सनी वर्मा को फर्जी नंबर से कॉल किया और केवाईसी अपडेट कराने का झांसा देकर उनसे 55,000 रुपये ऐंठ लिए। पीड़ित ने जैसे ही धोखाधड़ी का पता चला, उन्होंने तुरंत साइबर सेल में शिकायती पत्र दर्ज कराया। साइबर सेल ने अपनी तकनीकी दक्षता का प्रयोग करते हुए संबंधित मर्चेंट से संपर्क किया और त्वरित कार्रवाई के माध्यम से पीड़ित की पूरी रकम को वापस कराने में सफलता प्राप्त की। यह घटना एक बार फिर साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता की आवश्यकता को रेखांकित करती है और आम जनता को केवाईसी अपडेट जैसे मामलों में विशेष सावधानी बरतने की याद दिलाती है।

मकान की छत बनवाने जा रहे व्यक्ति को रोककर पीटा, बाइक भी छीनी

बाराबंकी। टिकैतनगर कोतवाली क्षेत्र के चांदामऊ में भारतीय सेना (आर्मी इंटेलिजेंस)में कार्यरत एक जवान पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। उषा देवी पत्नी राजेश कुमार यादव के द्वारा कोतवाली टिकैत नगर में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, मथुरा कैंट में तैनात राजेश कुमार यादव 18 दिसंबर को शाम के समय अपने मकान की छत बनवाने के लिए लेबर से बात करने जा रहे थे। इसी दौरान गांव के अभय राजपूत उदयराज पुत्रगण रामकेतार और श्यामलाल पुत्र कल्लू व इन लोगों के परिवार की महिलाओं ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि सभी ने मिलकर राजेश कुमार।

डीएम-एसएसपी ने किया मतदान केंद्र का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

अयोध्या(संवाददाता)। अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। 5 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नैय्यर ने राजकीय इंटर कॉलेज, अयोध्या का दौरा किया। अधिकारियों ने मतदान केंद्र पर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इसमें पोलिंग पार्टियों की रवानगी की तैयारी, मतगणना स्थल, स्ट्रांग रूम और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की व्यवस्था शामिल थी। जिलाधिकारी ने मतगणना स्थल पर बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि सिस्टम, पेयजल सुविधा और बैठने की व्यवस्था का जायजा लिया। स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों की सुरक्षा, कर्मचारियों के लिए टेबल की व्यवस्था, उम्मीदवारों के एजेंटों और ड्यूटी पर तैनात कर्मियों की सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने सभी तैयारियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह और रिटर्निंग ऑफिसरध्उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर राजीव रतन सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

चौकीदार की हत्या से गुस्साए लोग,हाईवे पर शव रखकर किया प्रदर्शन

अयोध्या(संवाददाता)। अयोध्या के पूरा कलंदर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई। सुरियावां के पास शनिवार की रात अज्ञात बदमाशों ने एक दलित चौकीदार की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। मृतक की पहचान खैपुर सरियावा गांव निवासी 60 वर्षीय ध्रुव कुमार उर्फ बेचई के रूप में हुई थी, जो एक मैरिज लॉन में चौकीदारी का काम करते थे। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने आज सोमवार को अयोध्या-रायबरेली हाईवे पर शव रखकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। मृतक के परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी, 25 लाख रुपए का मुआवजा और एक सरकारी नौकरी की मांग रखी। हाईवे जाम की सूचना पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को हटाने के प्रयास पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई और ग्रामीणों ने पुलिस विरोधी नारे लगाने शुरू कर दिए। पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों और एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि मुआवजे की मांग को शासन-प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया और शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए। उल्लेखनीय है कि घटना के समय चौकीदार को गंभीर रूप से घायल अवस्था में जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। शो पोस्टमार्टम होने के बाद जब परिजनों को मिला तो नाराज ग्रामीणों ने हाईवे पर शव रखकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया था। प्रशासनिक अधिकारियों के काफी मान मनौव्वल के बाद ग्रामीण और परिजनों ने धरना प्रदर्शन समाप्त किया।

दलित युवती की हत्या में 3 गिरफ्तार, आरोपियों ने गुनाह कबूल किया, नशे में की थी

अयोध्या(संवाददाता)। दलित युवती की हत्या को लेकर पुलिस तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी उसी गांव का रहने वाला दिग्विजय सिंह उर्फ बाबा है। पुलिस ने खुलासा करते हुए कहा है कि पूछताछ में तीनों आरोपियों ने जुर्म स्वीकार किया है। टीमें इनसे पूछताछ कर रही है। तीनों नशे में थे। नशे में ही वारदात को अंजाम दिया। 22 साल की युवती का शव शनिवार को मिला, और यह बेहद हैरान करने वाली स्थिति में था। उसका शव निर्वस्त्र अवस्था में था, और उसके हाथ-पैर बंधे हुए थे। हत्या के बाद उसकी आंखें निकाल ली गई थीं और उसके शरीर पर कई गंभीर जख्म पाए गए थे। ऐसा माना जा रहा है कि युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई। पुलिस के अनुसार, युवती गुरुवार रात 10 बजे किसी धार्मिक आयोजन में जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी तलाश के लिए गांव में खोजबीन की, लेकिन जब उसका कुछ पता नहीं चला

रहमान खेड़ा में बाघ की दहशत से पलायन पर मजबूर है कई

लखनऊ (संवाददाता)। रहमान खेड़ा के 40 बीघे के घने जंगल में करीब 60 दिनों से भी बाघ मिश्रित और घनी आबादी के आने-जाने वाले मार्गों पर घूम रहा है। जिससे ग्रामीणों के जेहन में दहशत बनी हुई है। दिन और रात के समय बाघ रहमान खेड़ा जंगल में लगी लोहे की जाली के नीचे से निकलकर बेहता नाला के किनारे होते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में निकल जाता है। फिर वापस आकर दिन में जंगल में पनाह लेता है। बाघ को सुरक्षित रेस्क्यू करने में जुटे वनकर्मी अब तक बाघ की ठिकाने को खोज नहीं सके हैं। यही वजह है कि बाघ हर बार वन विभाग को गच्चा देकर उनकी रणनीति पर पानी फेर देता हैं। ऐसे में ग्रामीणों का भरोसा वन विभाग पर धीरे-धीरे उठने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि बाघ के डर से वह सपरिवार पलायन करने में मजबूर हैं। दरअसल मलिहाबाद सर्किल के रहमानखेड़ा के 40 बीघे में फैले घने जंगल और 15 किलोमीटर के दायरे में सीआईएसएच परिसर (केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान) सहित करीब 50 गांव में बाघ की चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत बरकरार है। बाघ की तलाश में दो महीने से भी ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। जंगल, सीआईएसएच परिसर और आसपास गांव के बाहर आने-जाने वाले मार्गों पर बाघ के नए-नए पगचिन्ह मिलते है, लेकिन कॉम्बिंग टीम को अब तक बाघ नहीं मिल पाया है। वनमंत्री डॉ. अरुण सक्सेना के आदेश पर कानपुर, लखनऊ, पीलीभीत, उन्नाव, हरदोई और बाराबंकी की टीमें बाघ को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए जंगल में खाक छान रही है। 80 से ज्यादा वनकर्मियों को चकमा देकर बाघ 17 मवेशिया का शिकार कर चुका है। सोमवार को सीआईएसएच परिसर में बाघ के पगचिन्हों सहित गतिविधियां पाई गई हैं। डीएफओ सितांशु पांडेय ने बताया कि सीआईएसएच परिसर में पिंजरे में पड़वे को बांधकर निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही कनेरा, गुलाबखेड़ा, खालिसपुर, अल्लूपुर, घनश्यामपुर, इमलिया, मीठेनगर, कसमंडी खुर्द, शिवदासपुर, फतेहनगर, मलहा गांव में ग्रामीणों को सतर्क किया और बचाव के उपाय बताए। मीठेनगर गांव के रहने वाले रामप्रकाश ने बताया कि बाघ के डर से बच्चे, महिलाएं घरों में कैद हैं। 16 जनवरी से स्कूल बंद है। जिससे बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। फसल की सिंचाई भी नहीं हो रही है। ऐसे में कुछ दिनों के लिए सपरिवार गांव से अलग रहने का मन होता है। वहीं, मलहा गांव के रहने वाले रामखेलावन का कहना है कि वनकर्मी सिर्फ मुनादी पीटकर बाघ से सर्तक रहने के लिए अपील कर रहे है। ऐसे में कामकाज ठप हो चुका है। घर से अकेले निकलने में डर लगता है। आसपास के कुछ लोग गांव छोड़कर अपने रिश्तेदारों के घर जा चुके हैं।

मैं डिप्रेशन में हूं...वीडियो भेजकर दी जान,नहर के पास मिली बाइक और सुसाइड नोट

बाराबंकी। जनपद में एक प्रापर्टी डीलर नहर में कूद गया। उसने मरने से पहले एक वीडियो बनाया और नोट भी लिखा, जिसमें उसने डिप्रेशन में होने की बात कही है। पुलिस युवक की तलाश कर रही है। सिरौली गौसपुर क्षेत्र के किंटूर निवासी रसूलुद्दीन (30) पुत्र मोईद अहमद 2 फरवरी की शाम से लापता थे। परिजनों को भेजे एक वीडियो में रसूलुद्दीन ने डिप्रेशन का जिक्र करते हुए आत्महत्या करने की बात कही। उनके बड़े भाई जावेद के मुताबिक, रसूलुद्दीन शाम करीब 6 बजे अपनी बाइक से घर से निकले थे। देर रात तक वापस न लौटने पर परिवार ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान शारदा सहायक नहर के पास कसरैला झील के दक्षिणी छोर पर उनकी बाइक चाबी के साथ बरामद हुई। मैं डिप्रेशन की वजह से बहुत परेशान हूं, अब जीने का मन नहीं कर रहा है। आप सभी लोग मुझे माफ कर देना और इसमें किसी का कोई दोष नहीं है। मेरे अपनों से कहने का मन कर रहा है पर किसी से क्या कहूं कुछ समझ नहीं पा रहा हूं। सभी लोग अपना ख्याल रखना और मुझे माफ कर देना।

(हिन्दी दैनिक)
न्यूज़ वाणी

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक फतेहपुर किंग सेवा संस्थान के लिए नफीस अहमद जाफ़री द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29 पुराना किला, कैन्ट रोड लखनऊ से मुद्रित एवं 459/786 महताब बाग अपोज़िट शीश महल तालाब दुर्गा मार्ग चौक लखनऊ, उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक
सैयद दानिश अब्बास
मो0 नं — 9451548620

Email- dailynewswani@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

इस अंक में प्रकाशित लेखों के चयन व संपादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अर्न्तगत उत्तरदायी।